CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-197
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 22 अक्टूबर 2024

आज का विचार

जब समय सही होगा , सारी चीजें खुद अपनी जगह पर आ जाएगी , धैर्य रखो!

सम्पादकीय

भारत में अदालतों में लंबित मुकदमों की समस्या और उनके निपटारे के उपाय

भारत की न्याय प्रणाली का एक प्रमुख मुद्दा अदालतों में मामलों का लंबित होना है। देश की अदालतों में करोड़ों की संख्या में केस पेंडिंग हैं, जिससे न्याय पाने की प्रक्रिया अत्यधिक लंबी और कठिन हो गई है। लोगों को न्याय केवल मिलना ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए। न्याय मिलने में देरी कई बार अन्याय का कारण बन जाती है। न्याय प्रणाली में सुधार की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है ताकि आम जनता को समय पर न्याय मिल सके।

राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के अनुसार, 2024 तक भारत में करीब 4.5 करोड़ मुकदमे लंबित हैं। इनमें से लगभग 3 करोड़ मामले निचली अदालतों में लंबित हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में लगभग 57 लाख और सर्वोच्च न्यायालय में लगभग 70,000 मामले लंबित हैं।

लंबित मामलों के प्रमुख कारण

1. न्यायाधीशों की कमी- भारत में न्यायालयों की लचर गति का एक बड़ा कारण अदालतों में खाली पदों की भरमार है। उच्च न्यायालयों में करीब 27% पद खाली हैं, जबकि निचली अदालतों में यह संख्या 30% तक है। न्यायाधीशों की कमी के कारण न्यायालयों में मामलों की सुनवाई और निपटारा देरी से हो पाता है।भारत में आबादी के अनुसार न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। आंकड़ों के अनुसार, प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। इस कारण कई मामले सालों तक बिना सुनवाई के लंबित रह जाते हैं।

2.केसों की अत्यधिक संख्या- अदालतों में नए मामलों की बढ़ती संख्या लंबित मामलों के निपटारे को और कठिन बनाती है। छोटे और सामान्य विवादों के लिए भी लोग अदालतों का रुख करते हैं, जिससे केसों की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है।

3.कानूनी प्रक्रिया की जटिलता- भारतीय न्याय प्रणाली की कानूनी प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी है। इस प्रक्रिया में कई चरण होते हैं, जिसमें दस्तावेज़ों की तैयारी, सुनवाई, सबूतों की समीक्षा और अपील आदि शामिल हैं। यह सभी चरण समय लेते हैं और प्रक्रिया को धीमा बनाते हैं।

4.सरकारी मामले- सरकारी विभागों से जुड़े मामले अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित हैं। लगभग 50न से अधिक मामलेकिसी न किसी रूप में सरकारी पक्ष से जुड़े होते हैं, जिनमें देरी सरकार की ओर से जवाब या कार्रवाई में धीमापन होने के कारण होती है।

समाधान

1. न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना- सबसे महत्वपूर्ण उपाय न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करना है। निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालयों तक न्यायाधीशों के रिक्त पदों को शीघ्रता से भरा जाना चाहिए। इसके अलावा, न्यायिक प्रणाली में और न्यायाधीशों की नियुक्ति की जानी चाहिए ताकि मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जा सके।

2. वैकल्पिक विवाद समाधान भारतीय न्याय प्रणाली में एक प्रभावी तरीका है, जो अदालतों पर बोझ कम करने और मुकदमों के शीघ्र निपटारे में सहायक है। ADR के अंतर्गत मध्यस्थता सुलह और पंचायती समाधान जैसे उपाय शामिल हैं। ये विधियाँ न केवल विवादों को जल्दी हल करती हैं, बल्कि अदालत की तुलना में कम खर्चीली और गोपनीय भी होती हैं। पारिवारिक और छोटे विवादों के मामलों में ये विशेष रूप से कारगर साबित हो रही हैं, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ भी कम होता है।

भारत में ADR का संवैधानिक आधार अनुच्छेद 39-ए में निहित है, जो समान और नि:शुल्क विधिक सहायता का प्रावधान करता है। सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 89 के तहत मध्यस्थता, सुलह और न्यायिक समाधान को कानूनी रूप से मान्यता दी गई है। मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 (2021 में संशोधित) के तहत सिविल और शमनीय अपराधों के लिए बाध्यकारी निर्णय दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, 2021 के संशोधन में भारतीय मध्यस्थता परिषद की स्थापना का उल्लेख है, जो ADR प्रक्रियाओं को कानूनी आधार प्रदान करेगी। इस कानून के तहत विवाद समाधान के लिए 180 दिनों की समय सीमा तय की गई है, जिससे त्वरित न्याय सुनिश्चित हो सके। मध्यस्थता प्रक्रिया के दौरान अगर किसी पक्ष को संतुष्टि नहीं मिलती, तो वह प्रक्रिया से बाहर हो सकता है। ADR का उद्देश्य सिर्फ कानूनी विवादों को सुलझाना नहीं है, बल्कि सामाजिक बदलाव लाना भी है, जैसा कि मुख्य न्यायाधीश ने इसे सामाजिक परिवर्तन का साधन कहा है।

3.ई-कोर्ट्स और डिजिटलाइजेशन: न्यायालयों में डिजिटल प्रणाली लागू करने से सुनवाई प्रक्रिया में तेजी लाई जा सकती है। ई-कोर्ट परियोजना के तहत मामलों की ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई, और फैसलों की ऑनलाइन उपलब्धता से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी। न्याय तंत्र तक पहुंच भी भारत में एक बड़ी समस्या रही है। इस तंत्र में तकनीकों के प्रयोग के बाद ई-अदालतों की भूमिका बढ़ी है। यदि ई-लोक अदालतों की भूमिका बढ़ाई जाए, तो न्याय उपलब्धता की स्थिति में निश्चित रूप से सुधार होगा। मध्यस्थता को प्रोत्साहित करने से ही ऐसा हो सकेगा। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में आयोजित मध्यस्थता पर सिंगापुर कन्वेंशन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता निपटान समझौते के प्रवर्तन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। भारत द्वारा शीघ्र ही इसे अनुमोदित करने की आशा है।

4. मामलों की त्वरित श्रेणीकरण और प्राथमिकता- अदालतों में मामलों का श्रेणीकरण और प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जाना चाहिए। गंभीर आपराधिक मामलों, जहां व्यक्ति की स्वतंत्रता या जीवन दांव पर हो, उन पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, पुराने लंबित मामलों का जल्द निपटारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

5. सरकारी विवादों में सुधार- सरकार को अपने विभागों में विवाद समाधान प्रणाली को मजबूत करना चाहिए ताकि सरकारी मामलों को अदालत में लाने से पहले ही सुलझाया जा सके। इसके अलावा, सरकार को अदालती मामलों में जवाब देने और कार्रवाई करने की प्रक्रिया को तेज करना चाहिए।

6. कानूनी सुधार- कानूनी प्रक्रिया की जटिलताओं को कम करने के लिए आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए। कानूनों में सरलता लाने और अदालती प्रक्रिया को सुगम बनाने से न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जा सकता है। इसके साथ ही, न्यायालयों में समय प्रबंधन पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि मामलों की सुनवाई बिना देरी के पूरी हो सके।

भारत में लंबित मुकदमों की समस्या न्यायिक प्रणाली की एक गंभीर चुनौती है, जो न्याय में देरी का कारण बनती है और आम जनता के न्याय प्रणाली में विश्वास को कमजोर कर सकती है। इस समस्या का समाधान न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने, कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाने और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने में निहित है। ADR, विशेषकर मध्यस्थता, त्वरित और सस्ती न्याय प्रक्रिया प्रदान करने का एक प्रभावी तरीका है, जिससे छोटे विवादों का शीघ्र निपटारा किया जा सकता है।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने ADR और मध्यस्थता की प्रक्रिया पर जोर दिया है, जिससे समाज में विचारों का आदान-प्रदान हो सके और सामाजिक संघर्षों को कम किया जा सके। इसके साथ ही, संविधान के अनुच्छेद 39-ए से प्रेरित लोक अदालतों का प्रावधान भी न्याय तंत्र को मजबूत करता है। लोक अदालतें वाद-पूर्व विवादों का निराकरण करती हैं, और इनके निर्णयों के खिलाफ अपील का प्रावधान नहीं है, जो इन्हें न्यायिक प्रक्रिया में एक सशक्त विकल्प बनाता है।

दिल्ली मध्यस्थता केंद्र का उदाहरण इसका प्रमाण है, जहां 98.2% मामलों का सफल निपटारा हुआ है, जो ADR की सफलता का प्रतीक है। लोक अदालतों के साथ-साथ राष्ट्रीय और ई-लोक अदालतें भी इस दिशा में प्रभावी साबित हो रही हैं। न्यायपालिका और सरकार को मिलकर ADR और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक उपायों को आगे बढ़ाना चाहिए, जिससे न्याय तंत्र को अधिक सक्षम और तेज़ बनाया जा सके, और न्याय शीघ्रता से प्रदान हो सके।

(राजीव खरे स्टेट ब्यूरो चीफ़ छत्तीसगढ़)

पीएम मोदी रूस रवाना... बीआरआईसीएस समिट में लेंगे हिस्सा, पुतिन से होगी मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को रूस दौरे पर रवाना हो गए। पीएम मोदी रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान, मोदी ब्रिक्स सदस्य देशों और अन्य आमंत्रित नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस की अध्यक्षता में 22 से 24 अक्टूबर तक कजान में हो रहा है। यह शिखर सम्मेलन नेताओं को जरूर वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच होगा। इस साल के शिखर सम्मेलन का टॉपिक 'न्यायपूर्ण वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना' है।

इस साल पीएम मोदी का यह रूस दूसरा दौरा: 2024 में यह प्रधानमंत्री मोदी का रूस का दूसरा दौरा है। इससे पहले वह जुलाई में भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मॉस्को गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, कजान, रूस के लिए रवाना हो रहा हूं। ब्रिक्स को भारत बहुत महत्व देता है और मैं इस शिखर सम्मेलन में व्यापक चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी की इस दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी होगी। इस बैठक में वैश्विक विकास, आर्थिक सहयोग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, पांच नक्सली मारे गए

गढ़चिरौली। विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए। गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम और सीआरपीएफ की टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि 20 नवंबर को होने वाले चुनावों के मद्देनजर नक्सली बड़ी वारदात की फिराक में थे। नक्सलियों का एक समूह पिछले दो दिनों से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर जंगल में एकत्र हुआ था और हमले की योजना बना रहा था। इसकी सूचना मिलने पर सी -60 कमांडो की 22 टीमों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो दस्तों ने जंगल क्षेत्र में दो अलग-अलग हिस्से से नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया। जिस इलाके में यह मुठभेड़ हो रही थी, वह बस्तर क्षेत्र के नक्सल प्रभावित जिले नारायणपुर की सीमा पर है। जब पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के आने की आहट हुई तो नक्सलियों की ओर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी गई। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी में पांच माओवादी मारे गए। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने पांच शव बरामद किए हैं। लेकिन अभी इन शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं, एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, जंगल में तलाशी अभियान जारी है।

उड्डयन मंत्री ने कहा...

विमान में बम अफवाहें फैलाने वालों को मिलेगी उम्रकैद

नई दिल्ली। विमान में बम है! ऐसी धमकियां आजकल आए दिन मिल रही हैं। इनके चलते एयरपोर्ट अथॉरिटीज को बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग कराकर चेकिंग होती है तो कभी फ्लाइट्स के टेकऑफ से पहले ही घंटों जांच होती है। ऐसे मामलों को लेकर अब सरकार भी सख्त रुख अपना सकती है। सोमवार को उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि अफवाह फैलाने लोगों पर कड़ा एक्शन होना चाहिए। ऐसे मामलों को संज्ञेय अपराध माना जाए। इसके अलावा उन्हें नो-फ्लाई लिस्ट में डाला जाए यानी उनके उड़ान भरने पर हमेशा के लिए रोक लगे। नायडू ने कहा कि अब उड़ानों में बम या हमले जैसी धमकियों वाले फर्जी कॉल्स को संज्ञेय अपराध बनाया जाएगा। ऐसा करने वालों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला जाएगा। इसके अलवा हम चाहेंगे कि ऐसे मामलों में सख्त से सख्त सजा मिले। ऐसे केसों में उम्रकैद तक की सजा का भी प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने सिक्योरिटी कैमरों की संख्या भी बढ़ाई है। इससे एयरपोर्ट्स की मॉनिटरिंग और मजबूत हुई है। इसके अलावा हम गृह मंत्रालय से भी बात कर रहे हैं कि कैसे इन मामलों से निपटा जाए। हमें एयरक्राफ्ट सिक्योरिटी रूल्स में बदलाव करना होगा और हमने यह बात होम मिनिस्ट्री के सामने रख दी है। नए कानून में उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान कराया जाएगा। नायडू ने कहा इस तरह की फर्जी कॉल्स से गंभीर स्थिति पैदा होती है। पूरा प्रशासन परेशान होता है और यात्रियों को भी मुसीबत झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि बीते एक सप्ताह के अंदर ही ऐसी 100 कॉल्स आई हैं, जिनसे परेशानी उठानी पड़ी। उन्होंने कहा कि यह संवेदनशील मामला है। जब हम फर्जी कॉल्स की बात करते हैं तो हमें यह भी सोचना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करना पड़ता है। इसलिए किसी भी धमकी पर पूरी जांच करनी पड़ती है। इसमें वक्त लगता है और पूरे प्रोटोकॉल को फॉलो किया जाता है।

महालक्ष्मी की सूतक में पूजा, विरोध हुआ तो पुजारी को हटाया

रतलाम। रतलाम के प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर में तब विवाद उत्पन्न हो गया, जब पंडित संजय पुजारी ने सूतक के दौरान पूजा करने का निर्णय लिया। इस पर श्रीमाली ब्राह्मण समाज ने विरोध जताया, जिसके चलते प्रशासन ने मंदिर में ताला लगा दिया। रविवार रात को जब विवाद बढ़ा, तो प्रशासन ने मंदिर को बंद कर दिया। सोमवार सुबह, 11 घंटे बाद, ताला खोला गया और पंडित संजय पुजारी को हटाकर सत्यनारायण व्यास को अस्थायी पुजारी नियुक्त किया गया। महालक्ष्मी मंदिर, जो दिवाली के अवसर पर करोड़ों रुपए के नोटों और जेवरों से सजाया जाता है। मंदिर आमतौर पर सुबह 6 बजे खुलता है, लेकिन सोमवार को यह ताला सुबह 8 बजे तक भी नहीं खोला गया। इस दौरान, श्रीमाली समाज के लोग मंदिर के बाहर दर्शन के लिए इंतजार करते रहे। अंतत:, नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय की मौजूदगी में मंदिर का ताला सुबह 8.15 बजे खोला गया। पंडित संजय दवे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई, जिससे भक्तों ने राहत की सांस ली।श्रीमाली ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने गंगाजल और गोमूत्र से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर का शुद्धिकरण किया। नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय ने बताया कि पूर्व पुजारी, पंडित संजय, की शिकायत के आधार पर उन्हें हटाया गया है। उनकी जगह अस्थायी रूप से एक नए पंडित की नियुक्ति की गई है। श्रीमाली ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नयन व्यास ने इस मुद्दे पर स्पष्ट किया कि महालक्ष्मी मंदिर उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारी सती मां का भी मंदिर में स्थान है। हमने पूर्व पुजारी से निवेदन किया था कि सूतक के दौरान मंदिर में न जाएं, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं मानी। पुजारी संजय पुजारी के बड़े भाई का इंदौर में निधन हो गया है।

आईएएस शैलबाला ने मंदिरों के लाउडस्पीकर पर उठाया सवाल...मचा बवाल!

भोपाल। मध्यप्रदेश की चर्चित आईएएस अधिकारी शैलबाला मार्टिन एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। वे बेबाकी से हर मुद्दे पर अपनी बात रखती हैं। इस बार उन्होंने एक्स पर मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर को लेकर पोस्ट किया है। इसके बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया है। शैलबाला मार्टिन ने एक्स पर लिखा है कि क्या मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर से डिस्टर्बेंस नहीं होता है। दरअसल, शैलबाला मार्टिन मध्यप्रदेश की सीनियर आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि और मंदिरों पर लगे लाउडस्पीकर, जो कई-कई गलियों में दूर तक स्पीकर्स के माध्यम से ध्वनि प्रदूषण फैलाते हैं, जो आधी आधी रात तक बजते हैं, उनसे किसी को डिस्टर्बेंस नहीं होता है। दरअसल एक जर्नलिस्ट मनोज कुमार ने एक्स पर पोस्ट कर मस्जिदों के बाहर डीजे बजाने की प्रथा पर सवाल किया था। उन्होंने पूछा था कि मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा दिए जाएं तो क्या बाहर डीजे और गंदी नारेबाजी बंद हो जाएगी? जर्नलिस्ट के इस ट्वीट के

बाद शैलबाला मार्टिन ने मंदिरों के लाउडस्पीकरों के ध्वनि प्रदूषण पर सवाल उठाए। कहा-मंदिरों पर लगे लाउडस्पीकर आधी रात तक तेज आवाज में बजते हैं। तो क्या उनकी आवाज से डिस्टर्बेंस नहीं होता? बता दें कि आईएएस अधिकारी शैलबाला मार्टिन अभी मंत्रालय में तैनात हैं। वे प्रमोटी आईएएस अधिकारी हैं।

यूजर के कमेंट पर यह बोलीं मार्टिन शैलबाला मार्टिन के इस सवाल पर एक यूजर ने कमेंट किया है कि पता नहीं पुलिस इन पर क्यों नहीं कार्रवाई करती है। यूजर के कमेंट पर आईएएस अफसर शैलबाला मार्टिन ने भी रिप्लाई किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने शपथ लेने के साथ ही जो आदेश जारी किए थे। उनमें समस्त धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर्स हटाने और डीजे पर प्रतिबंध शामिल था। ये बहुत सुविचारित आदेश था। यदि इस आदेश पर अमल करते हुए सभी समुदायों के धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर्स हटा दिए जाएं और डीजे बंद हो जाए तो सभी के लिए बड़ी राहत होगी।

आदेश का पालन करवाने की किसी को चिंता नहीं आईएएस शैलबाला मार्टिन ने यह भी लिखा कि भोपाल के चार इमली जैसे इलाके में जहां पुलिस कमिश्नर का खुद का आवास है, वहां फुल वॉल्यूम में डीजे पर भयानक शोर करते हुए बजने वाले भजनों के साथ मंत्री, अफसर के बंगलों के सामने से झांकियां निकाली गई। कहीं किसी प्रकार की कोई रोक-टोक नहीं देखी गई किसी के कान में शोर सुनाई नहीं पड़ा। पुलिस थाना मुश्किल से आधा किलोमीटर की दूरी पर है। चार इमली में आए दिन निकलने वाले डीजे की ध्वनि से मकान की खिड़कियां तक हिलने लगती हैं। यहीं स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी होती है, कानून या वरिष्ठों के आदेश का पालन करवाने की किसी को चिंता नहीं है। किसी को इस बात की फिक्र नहीं की किसी घर में बुजुर्ग और बीमार इसे कैसे सहन कर पाएंगे।

बीजेपी बोली- मार्टिन को आपत्ति है तो प्रमाण दें भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मिलन भार्गव ने कहा कि सरकार संविधान और कानून के हिसाब से चलती है। बहुत ही सख्ती के साथ सारे नियमों का पालन कराया गया। कार्रवाई करके हमने नजीर भी पेश की।

शैलबाला मार्टिन को अगर किसी चीज पर आपत्ति तो प्रमाण दें।

संस्कृति बचाओ मंच ने जताया एतराज संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने आईएएस मार्टिन के बयान पर सोमवार को कड़ा ऐतराज जताया। तिवारी ने कहा कि मार्टिन साम्प्रदायिक सौहार्द खराब कर रही है। ऐसे मुद्दे पर हस्तक्षेप न करें। मंदिरों में सुरीली आवाज में आरती और मंत्रोच्चार होते हैं।

सिंगल कॉलम

पुरानी रंजिश में महिला किसान की 15 लाख की सोयाबीन जलाई

इंदौर। इंदौर के गांधी नगर इलाके में पांच लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते महिला किसान के खेत में काटकर रखी गई सोयाबीन में आग लगा दी। आरोपी पहले भी महिला के घर में तोड़फोड़ कर चुके हैं। पीड़िता ने पांचों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। गांधी नगर पुलिस ने गीता बाई की शिकायत पर शिवनारायण बारोड़, देवकरण बारोड़, राजेश बारोड़, राधेश्याम बारोड़ और अतुल बारोड़ के खिलाफ आगजनी का केस दर्ज किया है। गीता बाई ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि 4 अक्टूबर के दिन वह अपने मायके बोरसी ग्राम में थी। तब उनका देवर हिम्मत सिंह कुशवाह ने आकर बताया कि वह खेत पर सोयाबीन ढांकने गया था। तब पांचों आरोपी सोयाबीन के पास खड़े थे। इसके बाद उन्होंने आग लगा दी। वह चिल्ला रहे थे कि जो भी इस आग को बुझाने आएगा, उसे भी जला देंगे। हिम्मत ने बताया कि वह डर के कारण पास नहीं गया और दूर से छिपकर देखता रहा। बाद में वह जान बचाकर भाग गया। हिम्मत के बताने पर बाद में खेत पर पहुंचे। यहां सोयाबीन पूरी तरह से जल चुकी थी। गीता बाई ने बताया कि करीब साढे चार बीघा पर उन्होंने सोयाबीन लगाई थी। जो जलकर खाक हो गई। आरोपियों ने कुछ माह पहले ही घर में तोड़फोड़ की थी। इसकी शिकायत भी उन्होंने थाने में दर्ज कराई थी।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय सिंह का 84 साल की आयु में निधन

इंदौर। सुप्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ एवं चाचा नेहरू अनुसंधान केंद्र, इंदौर के पूर्व निदेशक डॉ. विजय सिंह का 84 वर्ष की आयु में एक निजी अस्पताल में सोमवार शाम निधन हो गया। वे सुप्रसिद्ध साहित्यकार, तुलनात्मक भाषा अध्ययन शाला, देअविवि की पूर्व प्राचार्य और श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति की साहित्य मंत्री डॉ. पद्मा सिंह के पति थे। डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा 22 अक्टूबर को प्रातः 11.30 बजे उनके निवास 108 टेलीफोन नगर एक्सटेंशन इंदौर से तिलकनगर मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी। उनके परिवार में दो बेटियां डॉ.अपर्णा सिंह और डॉ.तृप्ति सिंह एवं दामाद डॉ. कुलदीपसिंह तथा डॉ. नगेन्द्रसिंह चौहान हैं। डॉ. सिंह ख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ और सुधि साहित्य रसिक रहे हैं। डॉ. सिंह के निधन पर मातृभाषा उन्नयन संस्थान, श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति ने शोक व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले- इंदौर देश का फार्मा हब बनकर उभर रहा है

इंदौर। इंदौर के अरविंदो अस्पताल में फ्रांस की संस्था इरकैड ने एक केंद्र की शुरुआत की। इस मौके पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कहा कि इंदौर देश का फार्मा हब बनकर उभर रहा है। उज्जैन में सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क बनाया जाएगा। सरकार ने प्रदेश में विश्व स्तरीय चिकित्सा अंधोसरंचना विकसित करने के प्रयास शुरू कर दिए है। मेडिकल कॉलेज परिसरों में नर्सिंग कॉलेज और पैरामेडिकल संस्थान स्थापित किए जा रहे है। इंदौर के अलावा ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल शुरू किए गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेलिमेडिसिन सेवा से एक हजार से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जोड़े गए है। स्वास्थ्य केंद्रों में 45 तरह की जांचे हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों से गंभीर मरीजों व दुर्घटनाग्रस्त लोगों को एयर लिफ्ट कराकर उपचार कराने की व्यवस्था की गई है। देश अब मेडिकल टूरिज्म में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में डॉ. विनोद भंडारी ने कहा कि दूरबीन से सर्जरी और मेडिकल रिसर्च की दृष्टि से फ्रांस की संस्था इरकैड अपने तरह की विशिष्ट पहल है। यह केंद्र जनउपयोगी बनेगा।

जत्रा को मिला स्वच्छता चैंपियन पुरस्कार, लाखों लोगों का आयोजन जीरो वेस्ट

इंदौर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जत्रा 100त्न जीरो वेस्ट था। इस आयोजन में बायोडिग्रेबल आइटम फूड से संबंधित प्लेट ग्लास सहित अन्य का इस्तेमाल किया। जत्रा में 20 से ज्यादा कलेक्शन काउंटर बनाए गए थे, जिनमें सूखा और गीला कचरा अलग-अलग किया जा रहा था। इसको लेकर नगर निगम ने मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट के जत्रा को स्वच्छता की मिसाल कायम करने के लिए स्वच्छता चैंपियन पुरस्कार दिया। यह पुरस्कार नगर निगम के अपर आयुक्त और स्वच्छता प्रभारी अभिलाष मिश्रा ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की उपस्थिति में ट्रस्ट के अध्यक्ष सुधीर दांडेकर, राजेश शाह, तृप्ति महाजन को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। ट्रर्स्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता की जागरूकता सन् 2014 से भारत वर्ष में आई लेकिन जत्रा के पहले संस्करण सन् 2000 से ही स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता रहा है।

मध्य प्रदेश में गुलाबी ठंड की दस्तक

छाया घना कोहरा, कहीं-कहीं चिंता में किसान...

सिटी चीफ इंदौर।
मध्य प्रदेश के बड़े हिस्से में बारिश के अंतिम दौर के बाद गुलाबी ठंड की दस्तक हो गई है। मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदल रहा है और सुबह घने कोहरे का असर दिखाई दे रहा है।अधिकांश शहरों में सुबह 6 बजे से 9 तक कोहरा छाया रहा। कहीं-कहीं कोहरा इतना अधिक था कि कुछ दूर की वस्तु भी स्पष्ट नजर नहीं आ रही थी। वाहन चालक दिन में भी लाइट का उपयोग करके निकले।

देवास में धूप, बाहरी क्षेत्र में कोहरा
देवास मुख्यालय पर भी कोहरे का असर रहा। हालांकि शहर की अपेक्षा बाहरी क्षेत्रों में कोहरा ज्यादा घना था। सुबह करीब 8 बजे भोपाल बायपास, भोपाल रोड पर घने कोहरे के कारण वाहनों की गति धीमी रही। इसी दौरान शहर में धूप खिल चुकी थी।

इंदौर में बादल छाए, दोपहर में धूप
इंदौर में सोमवार को शहर में बादल छाए और दोपहर में धूप निकली। बादलों के

कारण दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली।
मौसम विज्ञानियों के कारण मंगलवार को बादल छाएंगे और कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने की संभावना है। अंचलो में सोमवार को अलसुबह से घना कोहरा छाया रहा। अलसुबह एवं देर रात में मौसम में ठंडक मेहसूस होने लगी है। जो खेती किसानी फसलो की बोवनी में लाभप्रद होंगी।
रतलाम, नीमच में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। इससे जिले के कई क्षेत्रों में घने बादल छाए गए। कहीं-कहीं बारिश हुई, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई।
उल्लेखनीय है कि इस बार कई जिलों में अतिवृष्टि हुई है। इससे खरीफ की फसलों को काफी नुकसान हुआ है।

ज्यादा बारिश से फसलों को नुकसान
इस बार प्रदेश के कई जिलों में अतिवृष्टि हुई है। इससे जलाशय लबालब हो गई। कई बांधों से चादर चल रही है। रबी की फसल के लिए किसानों के पास पर्याप्त पानी है। अतिवृष्टि से किसानों की सोयाबीन, मक्का, मूंगफली सहित अन्य फसलों को नुकसान हुआ है।
कई क्षेत्रों में बेमौसम बारिश से किसानों की सोयाबीन की फसल जलमग्न हो गई थी। इससे भी किसानों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसके बावजूद खेतों से अब तक नमी नहीं गई। इससे किसान खेतों की हंकाई नहीं कर पा रहे है।
कुछ जिलों में इस बार किसानों ने ऊटी लहसुन की बुआई की है। लगातार वर्षा के बीच किसानों ने लहसुन की बुआई तो कर दी, लेकिन फसलें बराबर चल नहीं रही है। वर्षा के कारण लहसुन की बीमारी आ रही है। इससे किसान कीटनाशक का छिड़काव कर रहे हैं।

इंदौर-खंडवा रोड कुछ ही दिनों में हो जाएगी ठीक, गड्ढे भरने का काम शुरू

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर-खंडवा मार्ग पर सर्विस लेन की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। निर्माण एजेंसी गड्ढे भरने में लगी है। एनएचएआई के निर्देश के बाद एजेंसी सड़क को सुधारने में जुटी है। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अधिक होने से रात में डामरीकरण किया जा रहा है। एजेंसी ने दस दिनों में काम पूरा करने लक्ष्य तय किया है।
बता दें कि तेजाजी नगर से सिमरोल के बीच चार स्थानों पर सड़क की हालत काफी खस्ता है। राजमार्ग पर तलाई की सुरंग की अप्रोच रोड छोड़कर एजेंसी बाकी काम कर रही है। चोखी ढाणी, उमरीखेड़ा और चमेलीदेवी कॉलेज के सामने फ्लाईओवर और अंडरपास बनाया रहा है। इसके साथ ही डायवर्ट मार्ग यानी सर्विस लेन की मरम्मत चल रही है।

गड्ढों को भरने से पहले सड़क पर पानी का छिड़काव करवाया जा रहा है। साथ ही डामर बिछाया जा रहा है। इस दौरान एक तरफ से वाहनों की आवाजाही करवाई जा रही है। मेघा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर नागेश्वर राव का कहना है कि 30 अक्टूबर तक मरम्मत का काम पूरा किया जाएगा। उमरीखेड़ा के पास एक हेक्टेयर जमीन मिल चुकी है। वनभूमि पर लगे पेड़ों को काटकर जमीन को समतल किया जा रहा है।

बढ़ गए थे हादसे
बरसात की वजह से सर्विस लेन की हालत काफी खराब हो चुकी है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। यहां से दोपहिया व कार चलाने में लोगों को काफी परेशानी आती है। स्ट्रीट लाइट नहीं होने से अंधेरे में हादसे होते हैं। साथ ही संकेतक भी नहीं है। इस वजह से चालकों को सड़क के गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता है। कई बार गड्ढों को बचाने के चक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। बीते तीन महीनों में छोटे-बड़े दस से पंद्रह हादसे हो चुके हैं।

700 मीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए भूमिपूजन
जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्लैटिनम पैराडाइस कॉलोनी से काउंटीवाक कालोनी चौराहे तक बनने वाली 700 मीटर लंबी सड़क का रविवार को भूमिपूजन किया। दो करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क झालारिया गांव की कॉलोनियों, आसपास के गांवों और स्कूलों तक पहुंचने में सहायक सिद्ध होगी।
इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सिलावट ने कहा कि 29 ग्रामों के लिए विशेष योजना तैयार की गई है। शहर में 468 करोड़ रुपये की लागत से 23 सड़कों का निर्माण कार्य केंद्र से स्वीकृत हुआ है। इसका भूमिपूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में होगा।

61 गांवों को भी निगम सीमा में शामिल किया जाएगा
महापौर भार्गव ने कहा कि वर्ष 2014 में नगर निगम में शामिल हुए 29 गांवों के वार्डों के विकास के लिए शहरी वार्डों के मुकाबले चार गुना अधिक राशि का प्रविधान किया गया है। आने वाले वर्षों में मास्टर प्लान के तहत शेष 61 गांवों को भी निगम सीमा में शामिल किया जाएगा।
इन गांवों के विकास की योजना पर निगम ने काम शुरू कर दिया है। इन ग्रामों की निगम से लगी सीमा के निकट कचरे के निपटान के लिए प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

एजुकेशन वर्ल्ड स्कूल रैंकिंग में भोपाल के सरकारी स्कूल का सातवां नंबर

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। एजुकेशन वर्ल्ड स्कूल रैंकिंग में भोपाल का शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, टीटी नगर, लगातार तीसरी बार टॉप 10 में स्थान पाकर हैट्रिक लगाने वाला मध्यप्रदेश का पहला और एकमात्र स्कूल बन गया है। मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल ने एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा जारी सरकारी स्कूलों की रैंकिंग में लगातार तीसरे साल उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। इस वर्ष एजुकेशन वर्ल्ड की रैंकिंग में मॉडल स्कूल को सातवां स्थान मिला है। एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा नई दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर 2024 तक किया गया। समारोह में विद्यालय की प्राचार्य रेखा शर्मा को शासकीय क्षेत्र में देश में सातवां पायदान हासिल करने के लिए पुरस्कृत किया गया। एजुकेशन वर्ल्ड शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक पोर्टल है, जो हर साल स्कूलों की रैंकिंग जारी करता है। यह रैंकिंग विद्यालय के पिछले परीक्षा परिणाम, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों की उपलब्धता और उनका आउटपुट मेंटल इमोशनल सेवाओं, खेल, अकादमिक गतिविधियाँ और अन्य मानकों पर आधारित होती है। इन सभी क्षेत्रों में उपलब्धियों के आधार पर पूरे भारत से स्कूलों का चयन कर निर्धारित मानकों के अनुसार अंक दिए जाते हैं। स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर मार्किंग की जाती है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, टीटी नगर, भोपाल, लगातार 3 वर्षों से शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार करने में सफल रहा है।

बदमाशों ने युवक को चाकू मारे...होश आने पर ही पत्नी खोलेगी करवाचौथ का व्रत

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर की एक महिला ने पति की लंबी उम्र के लिये करवाचौथ का व्रत रखा था, जिसकी पूजा के लिये तैयारी की जा रही थी। इसी बीच पति बाजार से मिठाई लेने के लिये घर से निकला, लेकिन बीच रास्ते में उस पर बदमाशों ने हमला कर दिया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। लोग कह रहे हैं कि महिला के व्रत की वजह से युवक की जान बच गई। युवक जितना गंभीर घायल है इसमें युवक की जान जा सकती थी। बताया जा रहा है कि महिला ने पति के होश में आने तक व्रत नहीं तोड़ा। मामला इंदौर के बाणगंगा थाना इलाके का है। यहां का रहने वाला शिव किशोर नाम का युवक मिठाई लेने के लिये घर से निकला था। वह बाहर ही पहुंचा था कि दो बदमाशों ने उस पर धारदार चाकुओं से हमला कर दिया। उसकी चीख पुकार सुनकर परिवार वाले बाहर निकल आए तो हंगामा मच गया। शोर मचाने पर बदमाश भाग गये। इसके बाद आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया।
एडिशनल डीसीपी राम स्नेही मिश्रा ने बताया कि बाणगंगा थाना इलाके में छोटी कुमार खेड़ी लक्ष्मी बाई स्टेशन के पास शिव किशोर रहता है। वह करवाचौथ के अवसर पर मिठाई की दुकान पर मिठाई लेने के लिए निकला था। तभी अचानक घर के बाहर चीखने की आवाज सुनाई दी। जब परिवार बाहर निकाला तो देखा कि जितेन और राकेश नाम के दो बदमाश उसके साथ जमकर मारपीट कर रहे हैं। इसी बीच उसे चाकू मारकर भाग निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, युवक गंभीर रूप से घायल है। उधर, पत्नी अब पति के होश में आने का इंतजार कर रही है। उपवास शुरू होने के बाद से अभी तक है पत्नी भूखी प्यासी है। बताया जा रहा है कि उसके होश में आने पर पत्नी उपवास खोलेगी। पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। युवक पर हमले के बाद से परिवार डरा हुआ है।

पीथमपुर की 5 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन 23 को, सीएम वर्चुअली जुड़ेंगे

इंदौर। औद्योगिक क्षेत्र स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क पीथमपुर की पांच इंडस्ट्रियल यूनिट्स का भूमि पूजन 23 अक्टूबर को होगा। रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसमें वर्चुअली शामिल होंगे। एमपीआईडीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी संचालक राजेश राठौर ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन सुबह 10.30 बजे आयोजित होगा। इनमें पिनेकल मोबिलिटी प्रा. लि. द्वारा ई.वी. बस और लाइट कॉमर्शियल व्हीकल बनाने के लिए यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसमें 1600 करोड़ का निवेश और 501 रोजगार के नए अवसर प्रस्तावित है। यह मध्य प्रदेश की पहली डेडीकेटेड ई.वी. बस और लाइट कॉमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट होगी। कोर ब्लॉक स्केफ होल्डिंग एण्ड फॉर्म वर्क प्रा. लि. कंपनी द्वारा मेटल पाइप बनाने के लिए यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसमें 150 करोड़ का फोरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट निवेश और 350 रोजगार के नए अवसर प्रस्तावित है। कारनिश पॉवर जोन प्रा. लि. द्वारा इलेक्ट्रिक मशीनरी और इक्यिपमेंट्स के लिए यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसमें 1.5 करोड़ का निवेश और 27 रोजगार के नए अवसर प्रस्तावित है। मां तुलजा इंडस्ट्रीज द्वारा हातोद में प्लास्टिक प्रोडक्ट और पैकेजिंग यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसमें 13 रोजगार के नए अवसर सृजित होना प्रस्तावित है। श्री गजानन इन्टरप्राइजेस द्वारा रेहटा खडकोद में नॉनफेरस मेटल एण्ड प्रोडक्ट यूनिट की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना वर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा आदि उपस्थित रहेंगे।

9वीं क्लास की छात्रा से रेप...

आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक 9वीं क्लास की छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी लड़का फोटो वायरल करने के नाम पर ब्लैकमेल भी कर रहा था। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छात्रा की शिकायत पर नीरज नाम के लड़के पर रेप और ब्लैकमेंलिग के मामले में केस दर्ज किया गया है।
पीड़िता ने बताया कि, आरोपी उसके घर के पास रहता है। इसलिए मैं उसे पहचानती हूं और उससे बात होती थी। 21 सितंबर 2019 को मैं शाम 4 बजे के लगभग पैदल अपने घर जा रही थी। इसी बीच किराना दुकान के पास नीरज

मिला और बोला कि मुझे बात करना है और नए घर की तरफ लेकर चला गया। यहां मुंह दबाकर जबरदस्ती की। चिल्लाने पर धमकी दी। कहा कि यह बात किसी को बताई तो बदनामी होगी। इस कारण से चुप रही। बाद में वह कॉलोनी में मिला और कहा कि कुछ अश्लील फोटो उसके पास है। जितने रुपए मांगू दे देना। नहीं तो फोटो वायरल कर दूंगा। इसके बाद इंस्ट्राग्राम पर उसने मैसेज कर रुपए मांगने लगा। छात्रा ने बताया कि, मुझे पॉकेट मनी के लिए जो रुपए मिलते थे। वह मैं जमा करती थी। मैंने 5 बार में उसे करीब 6 हजार रुपए रुपए दिए। मेरे पास रुपए खत्म हो गए तो नीरज ने कहा कि, जैसा मैं कहता हूं, वैसा करेगी तो रुपए आने लग जाएंगे। पीड़िता ने बताया कि नीरज गलत काम में जाने के लिए कह रहा था। इसके बाद रविवार को परिवार को जानकारी दी और थाने आकर नीरज पर केस दर्ज कराया।

सट्टा लगाते 9 आरोपी पकड़ाए करोड़ों का हिसाब मिला

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने राउ इलाके की सिलिकॉन सिटी में ऑनलाइन गेमिंग एप पर सट?टा लगाते 9 आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों से करीब 20 मोबाइल, 2 लैपटॉप और अन्य सामान जब्त हुआ है।एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया की टीम ने सिलिकॉन सिटी के एक फ्लैट में दबिश देकर यहां से धीरज राठौर निवासी अलीराजपुर,चंदन मोरे निवासी जिला गोरखपुर, नितिन गर्ग निवासी जबलपुर ,दीपक कुशवाह निवासी जबलपुर ,भारत सिंह निवासी जिला सरसा, विशाल बागडे निवासी बालाघाट, अमन पाटिल निवासी नागपुर, विजय पाल निवासी अलीराजपुर और आकाश निवासी जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ को पकड़ा है।आरोपी एप से कस्टमर को आईडी बनाकर ऑनलाइन सट्टा खिलवाते थे। अभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एडिशनल डीसीपी के मुताबिक आरोपियों ने प्रदेश के बाहर भी लोगो को एप डाउनलोड करवाया था। उनके पास से 20 मोबाइल 2 लैपटॉप, 8 एटीएम, 18 हजार 250 नकदी ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा जोखा मिला है। आरोपियों पर अपराधा शाखा में गेमिंग एक्ट को लेकर केस दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सिफारिशों पर लगाई रोक

मप्र के छह हजार से ज्यादा मदरसों को राहत, जारी रहेगी फंडिंग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की सिफारिशों पर सोमवार को रोक लगा दी। इस फैसले के बाद देशभर के मदरसों को भी सरकार की ओर से मिलने वाली फंडिंग जारी रहेगी। एनसीपीसीआर ने शिक्षा के अधिकार कानून का पालन नहीं करने पर सरकारी वित्त पोषित और सहायता प्राप्त मदरसों को मिलने वाली धनराशि रोकने की मांग की थी। अदालत के इस फैसले से मध्यप्रदेश के वे छह हजार से ज्यादा मदरसे भी राहत महसूस कर रहे हैं, जिन पर बंद होने की तलवार लटकी हुई थी। जानकारी के मुताबिक, एससी ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में भेजने के संबंध में एनसीपीसीआर की सिफारिश भी खारिज कर दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को इस मामले पर फैसला सुनाया। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील की दलीलों को पीठ ने सुना, जिसमें कहा गया कि एनसीपीसीआर और कुछ राज्यों की कार्रवाइयों पर रोक लगाने की जरूरत है।

मुस्लिम संगठन ने दी थी चुनौती

मुस्लिम संगठन ने उत्तरप्रदेश और त्रिपुरा सरकारों के उस निर्देश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इस वर्ष सात जून और 25 जून को जारी एनसीपीसीआर के सिफारिश पर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके चलते किए गए राज्यों के आदेश भी स्थगित रहेंगे। न्यायालय ने मुस्लिम संस्था को उत्तरप्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाने की अनुमति दी।

मप्र में लड़ रहा था आधुनिक मदरसा कल्याण संघ

मदरसों पर तालाबंदी के हालात को लेकर आधुनिक मदरसा कल्याण संघ लंबे अरसे से लड़ाई लड़ रहा था। संघ के मौहम्मद सुहैब कुरैशी, हाफिज जुनैद अहमद, कफिल अहमद आदि इस मामले को लेकर सरकार से लेकर प्रशासन तक गुहार लगा रहे हैं। इस मामले को लेकर अदालत में भी याचिका दाखिल की गई हैं।

एनसीपीसीआर का यह है तर्क

एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने बीते दिनों कहा था कि उन्होंने मदरसों को बंद करने के लिए कभी नहीं कहा। बल्कि, उन्होंने इन संस्थानों को सरकार की ओर से दी जाने वाली धनराशि पर रोक लगाने की सिफारिश की क्योंकि ये संस्थान गरीब मुस्लिम बच्चों को शिक्षा से वंचित कर रहे हैं।

कानूनगो ने कहा कि गरीब पृष्ठभूमि के मुस्लिम बच्चों पर अक्सर धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के बजाय धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए दबाव डाला जाता है। उन्होंने कहा कि वह सभी बच्चों के लिए शिक्षा के समान अवसरों की वकालत करते हैं। दरअसल, एनसीपीसीआर ने एक हालिया रिपोर्ट में मदरसों की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता जताई थी। इस आधार पर ऐक्शन लेने की मांग की गई। हालांकि, इस रिपोर्ट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। सत्तारूढ़ भाजपा पर अल्पसंख्यक संस्थानों को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया गया।

शिक्षा से जुड़े रहेंगे बच्चे

आधुनिक मदरसा कल्याण संघ के मौहम्मद सुहैब कुरैशी, हाफिज जुनैद अहमद, कफिल अहमद ने कहा कि आमतौर पर मदरसों में गरीब और पिछड़े तबके के बच्चे शिक्षा हासिल कर रहे हैं। अदालत का यह फैसला मध्यप्रदेश के हजारों मदरसा स्टूडेंट्स के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

कूनो पार्क में 110 बार अवैध रूप से ट्रेंकुलाइज हुए चीते

केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में चीतों के प्रबंधन को लेकर गंभीर अनियमितताओं की जांच शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के वन विभाग से शिकायत की जांच रिपोर्ट तलब की है। वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने इस संबंध में केंद्र से शिकायत की थी। अब एनटीसीए ने मध्यप्रदेश के वन विभाग को पत्र लिखकर जवाब तलब किया है। इस मामले में मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक एवं प्रधान मुख्य सन संरक्षक वन्यजीव व्ही एन अम्बाड़े ने संचालक सिंह परियोजना शिवपुरी को पत्र लिखकर सात दिन में प्रतिवेदन देने को कहा है। बता दें शिकायत के अनुसार कूनो नेशनल पार्क में चीतों को अवैध रूप से 110 बार ट्रेंकुलाइज किया गया, जिसके कारण चीता पवन की मौत होने की भी आशंका जताई गई। अब इन आरोपों के बाद केंद्र सरकार ने वन विभाग से जांच रिपोर्ट तलब की है।

धारा 11 के तहत गैरकानूनी काम

कूनो में चीतों को अवैधानिक रूप से 110 बार ट्रेंकुलाइज किया गया, जबकि वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 11 के तहत यह कार्य बिना अनुमति के गैरकानूनी है। कूनो के अधिकारियों द्वारा चीतों के स्वास्थ्य की उपेक्षा की गई, जिसके कारण चीते पवन की मौत हुई। अन्य मृत चीतों के मामलों में भी लापरवाही की आशंका जताई गई है।

पोस्टमार्टम प्रोटोकॉल का उल्लंघन

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि एनटीसीए द्वारा निर्धारित एसओपी के अनुसार मृत चीतों के पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी अनिवार्य है, लेकिन कूनो में इसका पालन नहीं किया गया। साथ ही, चीतों के शावकों में परजीवी (टिक्स) पाए गए, जो चीतों और शावकों की देखरेख पर सवाल उठाते हैं।

वन विभाग से 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

शिकायत पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने एनटीसीए के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन विभाग से सात दिन के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। इसमें कूनो नेशनल पार्क के संचालक और डीएफओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

मादा चीता वीरा देने वाली है शावकों को जन्म

मप्र के श्योपुर का कुनो नेशनल पार्क एक बार फिर से गुलजार होने वाला है। कुनो नेशनल पार्क में एक बार फिर से खुशियां आने वाली है। पार्क में नन्हे चीता शावकों की किलकारी कभी भी गूंज सकती है। इस बात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के लोगों को दी। सीएम मोहन यादव ने अपने फेसबुक पेज पर पार्क में गर्भवती हुई एक मादा चीता की फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि कुनो में एक बार फिर से खुशियां आने वाली हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने जानकारी दी कि देश के चीता स्टेट एमपी के कुनो नेशनल पार्क में जल्द ही मादा चीता नए शावकों को जन्म देने वाली है। यह खबर चीता प्रोजेक्ट की बड़ी उपलब्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट पारिस्थितिक संतुलन को निरंतर बेहतर बनाने बाला सिद्ध हो रहा है। चीता एक्सपर्ट की मानें, तो 4 से 5 दिनों के भीतर कुनो नेशनल पार्क में मादा चीता नन्हे शावकों को जन्म दे सकती है। सूत्रों की मानें, तो कुनो में गर्भवती हुई मादा चीता का नाम वीरा है।

मुश्किल हुई आसान, अब 31 तक जमा कर पाएंगे हज की पहली किस्त

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सेंट्रल हज कमेटी ने सोमवार देर शाम जारी किए आदेश में हज खर्च की पहली किस्त जमा करने की नई तारीख घोषित कर दी है। पहले इसके लिए 21 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की गई थी। इस तारीख तक चुने गए हाजियों को अपने सफर के खर्च की पहली किस्त के रूप में एक लाख, 30 हजार, 300 रुपए जमा करने थे। इसके साथ ही पासपोर्ट, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट समेत अन्य जरूरी दस्तावेज भी इसी दिन जमा कराने थे। सोमवार शाम को जारी किए गए आदेश के अनुसार अब हज आवेदक अपनी राशि और दस्तावेज 31 अक्तूबर तक जमा कर सकेंगे। हाजियों की पहली किस्त की पे इन स्लिप और दस्तावेजों की प्रति मप्र राज्य हज कमेटी के कार्यालय में जमा की जा रही हैं। यहां से प्रदेश के सभी हाजियों के दस्तावेज, पासपोर्ट आदि सामग्री जमा होकर एकसाथ सेंट्रल हज कमेटी को भेजी जाएगी। इसके लिए प्रदेश हज कमेटी कार्यालय में छुट्टी वाले दिन भी सतत काम किया जा रहा है। हज कमेटी अध्यक्ष रफत वारसी और कमेटी की कार्यपालन अधिकारी डॉ फरजाना गजाल के निदेर्शानुसार पिछले दिनों छुट्टी वाले दिनों में भी स्टॉफ ने मोर्चा संभाल रखा। कमेटी अध्यक्ष मसूद अख्तर और अन्य कर्मचारियों फाजिल कैफ, अजहर खान, मोहम्मद कलाम समेत पूरी टीम मुस्तैद दिखाई दी।

प्रदेश से चुने गए 7107 हाजियों के पासपोर्ट, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और आवेदन फॉर्म की मूल प्रति सेंट्रल हज कमेटी को 5 नवंबर से पहले पहुंचना है। इसके लिए हज कमेटी द्वारा यह सारी सामग्री बड़े बॉक्स में जमा कर मुंबई रवाना करेगी। हज कमेटी अधिकारियों की देखरेख में यहां के कर्मचारी इसको लेकर जाएंगे।

बुधनी चुनाव को लेकर शिवराज सिंह चौहान के बंगले पर हुई नेताओं बैठक

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गढ़ बुधनी विधानसभा में उपचुनाव को लेकर रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। सोमवार को भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले पर नेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगे की रणनीति बनाई गई है। इस बैठक में बुधनी विधानसभा के बीजेपी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मालवीय, सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, रघुनाथ सिंह भाटी सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। खास बात यह रही कि इस बैठक में बुधनी से टिकट की दौड़ में रहे वन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष गुरु प्रसाद शर्मा और पूर्व विधायक और वेयर हाउसिंग कपोरेंशन के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राजपूत नहीं पहुंचे।

भोपाल सिटी बस में बार-बार पीट रहे ड्राइवर-कंडक्टर, 40 दिन में तीन घटनाएं

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में हर दिन डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सिटी बसों में सफर करते हैं। इन बसों में मारपीट की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई के बाद भी घटनाओं में कंट्रोल नहीं हो रहा है। करीब 40 दिन के भीतर तीन घटनाएं सामने आई है। अब ऑटो चालक ने बस कंडक्टर और ड्राइवर की पिटाई कर दी है। ऑटो चालक के ऊपर एफआईआर भी दर्ज की गई है। इससे पहले 14 सितंबर को भी परिचालक से मारपीट करने का मामला सामने आया था। मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात को भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर एक ऑटो चालक ने सिटी बस के चालक और परिचालक के साथ मारपीट की। इसके चलते बस के अंदर बैठे यात्री दहशत में आ गए। सिटी बस में लगे सीसीटीवी कैमरों में यह घटना कैद हुई है। बस परिचालक शुभम मेहरा निवासी मछली मार्केट बैरागढ़ की रिपोर्ट पर एमपी नगर पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एमपी नगर थाने प्रभारी जय हिंद शर्मा ने बताया कि ऑटो चालक को जमानत पर छोड़ दिया है। चालान पेश होने के बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ऑटो चालक ने बस ड्राइवर पर लगाया आरोप

एमपी नगर पुलिस के अनुसार ऑटो चालक का कहना है कि बस ने ऑटो को टक्कर मारी थी, इसलिए विवाद हुआ। शुभम ने बताया वह सिटी बस नंबर एमपी 04 पीए 4329 का परिचालक है। बस चिरायु से आकृति ईको सिटी सलैया तक चलती है । रविवार रात को बस बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित स्टाप पर आकर रुकी। तभी सामने खड़ा एक आटो चालक विशाल आया। गालियां देते हुए उसने मुझे और चालक को लात-घुसे से पीटना शुरू कर दिया। इससे दोनों को चोट आई हैं। जबकि परिचालक शुभम ने बताया आटो चालक विशाल नशे में था वो गालियां दे रहा था । मारपीट करने से यात्री दहशत में आ गए और उतरकर चले गए थे। इस संबंध में बीसीएलएल के मैनेजर रोहित यादव ने बताया कि यह घटना रविवार रात की है। बीसीएलएल की तरफ से थाने के संज्ञान के लिए एक पत्र सौंपा गया है।

12 दिन पहले परिचालक को मारी थी छुरी

राजधानी भोपाल के बोर्ड आफिस चौराहे पर खड़ी सिटी बस के परिचालक को एक युवक ने 12 दिन पहले छुरी मारी थी। इससे वह घायल हो गया। इस घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी बसों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा चुकी हैं।

गौरतलब है कि शहर की सड़कों पर 25 रूट पर करीब 200 सिटी बसें दौड़ रही हैं। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड इनका संचालन कर रहा है। सिटी बसों में एक दिन में करीब डेढ़ लाख यात्री सफर करते हैं। किराये के रूप में उन्हें न्यूनतम सात और अधिकतम 42 रुपए लगते हैं। सभी बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और कैमरे होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन वारदात के बाद भी जेबकतरों को पुलिस नहीं पकड़ पाती।

सीधी के इंजीनियर की आतंकी हमले में मौत, सीएम यादव ने जताया दुःख

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जम्मू-कश्मीर में रविवार रात हुए एक आतंकी हमले में मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रहने वाले सिविल इंजीनियर अनिल शुक्ला की गोली लगने से मौत हो गई। इस घटना में कुल सात लोगों की जान चली गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। बता दें कि सीधी के रामपुर नैकिन क्षेत्र के डिढौरा गांव के निवासी 45 वर्षीय अनिल शुक्ला जम्मू-कश्मीर में जेपी फैक्ट्री के एक सिविल इंजीनियर के रूप में काम कर रहे थे। रविवार रात आतंकियों ने मजदूरों और इंजीनियरों पर अचानक हमला कर दिया, जिसमें अंधाधुंध फायरिंग के दौरान अनिल शुक्ला समेत सात लोग मारे गए। अनिल शुक्ला अपने परिवार के साथ रीवा में रह रहे थे। जहां वे अपने बच्चों की पढ़ाई करवा रहे थे। उनका एक बेटा 11वीं कक्षा में और बेटी बीएससी सेकेंड ईयर में पढ़ रही है। जिला प्रशासन की तरफ से बताया गया कि सेना द्वारा सूचना मिलने के बाद अनिल शुक्ला के सीधी जिले के निवासी होने की पुष्टि की गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और शोक संतृप्त परिवार को पांत लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस आतंकी हमले को कायराना करार देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए इस आतंकी हमले में मध्यप्रदेश के सीधी जिले के एक होनहार इंजीनियर अनिल शुक्ला के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति दें।

बुधनी से सपा प्रत्याशी घोषित होने के बाद डैमेज कंट्रोल में जुटी कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के बुधनी विधानसभा में होने वाले उप चुनाव में जहां बीजेपी ने रमाकांत भार्गव को अपना प्रत्याशी बनाया है वहीं कांग्रेस ने राजकुमार पटेल को भार्गव के सामने उतार कर बड़ा चैलेंज दिया है। जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) ने प्रत्याशी का ऐलान कर कांग्रेस के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। जानकारी के लिए बतादें कि कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी चयन के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी मीटिंग में शामिल हुए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेता सपा नेताओं को मनाने में जुट गए। और लगातार दावा भी किया जा रहा है कि जल्दी सपा प्रत्याशी अपना नामांकन वापस लेंगे। वहीं भाजपा नेता समाजवादी पार्टी द्वारा प्रत्याशी घोषित करने के बाद कांग्रेस पर हमला बोल रहे हैं। नेताओं का कहना है कि कांग्रेस अपने फायदे के लिए गठबंधन करती है। इधर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत कर विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के कराहल जनपद सीईओ अशोक शर्मा का स्थानांतरण करने की मांग की है।

कांग्रेस का दावा सपा प्रत्याशी का नाम होगा वापस

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से लेकर कई बड़े नेता सपा नेताओं को विश्वास में लेने की कोशिश में जुट गए हैं। वहीं कई नेता दावा कर रहे हैं कि जल्द ही सपा प्रत्याशी अपना नाम वापस लेंगे।कांग्रेस प्रदेश मीडिया प्रभारी और पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने कहा कि सपा प्रत्याशी का नाम वापस होगा। सपा से बातचीत चल रही है। गौरतलब है कि बुधनी विधानसभा में कांग्रेस और सपा का गठबंधन नहीं दिख रहा है। क्योंकि कांग्रेस ने यहां से पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल को प्रत्याशी बनाया है, वहीं समाजवादी पार्टी ने अर्जुन आर्य के नाम का ऐलान किया है।

खास बात यह है कि राजकुमार पटेल के नाम का ऐलान होते ही सपा ने अर्जुन आर्य को प्रत्याशी बनाया उधर अर्जुन ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में यहां इंडिया गठबंधन नहीं दिख रहा। हालांकि अभी भी कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि जल्द ही समझौता हो जाएगा। बीजेपी प्रवक्ता अजय सिंह पटेल ने मध्य प्रदेश कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा है कि जहां मिलने से लूट दिखती है वहां गठबंधन कर लेते हैं। जहां यह नहीं हो पाता, वहां मैदान में उतार देते हैं।अजय सिंह यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र में 12 टिकट चाहती है, इसी दबाव के कारण बुधनी में प्रत्याशी उतार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने सहयोगी दलों का कभी सम्मान नहीं करती।

विजयपुर को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की शिकायत

मध्यप्रदेश कांग्रेस चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने चुनाव आयोग को शिकायत पत्र लिखकर बताया है कि प्रदेश में सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा और श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा में उप चुनाव की घोषणा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की गई है, जिसके चलते इन जिलों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है और 13 नवम्बर, 2024 को मतदान होना नियत है। विधानसभा क्षेत्र विजयपुर में प्रदेश सरकार के मंत्री रामनिवास रावत जो कि विजयपुर से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे है, उन्होंने विधानसभा चुनाव में लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से अशोक शर्मा सीईओ को जनपद कराहल विधानसभा क्षेत्र विजयपुर में पदस्थ करा लिया गया है, जबकि अशोक शर्मा विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम आरोद के निवासी हैं, जो कि निमय विरूद्ध है। शर्मा पूर्व में हुये विधानसभा चुनावों में भी वे इसी क्षेत्र में पदस्थ थे, उस समय स्थानीय भाजपा नेताओं द्वारा निर्वाचन आयोग को शिकायत कर उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करा दिया गया था।

सम्पादकीय

आखिर किस तरह खत्म होगी बाल विवाह जैसी कुरीति?

सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जिला स्तर पर बाल विवाह निषेध अधिकारियों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से अपने जिलों में बाल विवाह को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम के लिए भी कहा है। अदालत का कहना है कि उन्हें इसे रोकने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

हमारे देश में बाल विवाह एक ऐसी कुरीति है जो कई सदियों से चली आ रही है। हालांकि इसमें कमी के बावजूद अभी भी कई हिस्से ऐसे हैं जहां इसका चलन जारी है। ऐसे में मामले की संजीदगी को देखते हुए आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को भी कदम उठाने पड़े हैं। देश में बाल विवाह की कुप्रथा को प्रतिबंधित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कई निर्देश जारी किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जिला स्तर पर बाल विवाह निषेध अधिकारियों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से अपने जिलों में बाल विवाह को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम के लिए भी कहा है। अदालत का कहना है कि उन्हें इसे रोकने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। दरअसल यह किसी समाज के लिए बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिए भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। इसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिए कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

महाराष्ट्र की राजनीति में दल बदल स्थायी भाव

महाराष्ट्र की राजनीति में दल बदल स्थायी भाव है। चुनाव के पहले वहां दल बदल का जोर हमेशा ही रहता है। इस बार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले ही धमाके पर धमाके हो रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में दो बड़े नेताओं ने एंट्री कर ली है जिससे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दो मंत्री और एक विधायक मुश्किल में आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी को भी झटके पर झटके लग रहे हैं। अब पूर्व विधायक राजन तेली, दीपक सालुंखे और सुरेश बनकर उद्धव ठाकरे के की शिवसेना में शामिल हो गए हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में हर चुनाव में राजनीतिक समीकरण बदल जाते हैं। नई पार्टियां बन जाती है, पुरानी पार्टियों में विघटन हो जाता है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव दो कोणीय या त्रिकोणीय नहीं, छह कोणीय होने जा रहे हैं । बीजेपी और कांग्रेस तो मैदान में हैं ही, दो-दो शिवसेना और दो-दो एनसीपी भी मैदान में हैं। तीन तीन पार्टियों के दो मोर्चे हैं। कौन पार्टी बदल ले, गुट बदल ले और दूसरे मोर्चे में चला जाए, कहना मुश्किल होता है! एकनाथ शिंदे के बारे में किसने सोचा था कि वे अलग हो जाएंगे और अजित पवार के बारे में किसी ने भी शायद ही सोचा होगा कि वे अपने चाचा का साथ छोड़ देंगे?

महाराष्ट्र की राजनीति में दल बदल स्थायी भाव है। चुनाव के पहले वहां दल बदल का जोर हमेशा ही रहता है। इस बार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले ही धमाके पर धमाके हो रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में दो बड़े नेताओं ने एंट्री कर ली है जिससे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दो मंत्री और एक विधायक मुश्किल में आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी को भी झटके पर झटके लग रहे हैं। अब पूर्व विधायक राजन तेली, दीपक सालुंखे और सुरेश बनकर उद्धव ठाकरे के की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इन नेताओं ने न केवल पार्टी बदली है, बल्कि अपना अपना मोर्चा भी संभाल लिया है।

एकनाथ शिंदे ने जब बगावत कर दी थी, तब उद्धव ठाकरे, शिंदे और उनके 40 विधायकों को गद्दार बताते थे, लेकिन अब उद्धव ठाकरे ने उन्हीं गद्दारों को अपने यहां बुलाना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के तहत मातोश्री में तीन नेता शिवसेना (उद्धव) में आ गए।

अजित पवार गुट की एनसीपी के नेता और पूर्व विधायक दीपक सालुंखे ने इसकी अगुवाई की। वे पार्टी के सोलापुर जिलाध्यक्ष थे। यह अजित पवार के लिए झटका है। वे सांगोला में शिवसेना (शिंदे) के विधायक शाह जी बापू पाटिल देंगे। विधायक हैं। बीजेपी के नेता और पूर्व विधायक राजन तेरी भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में शामिल हो गए हैं। 19 साल बाद यह उनकी घर वापसी है।

राजन तेली का उद्धव ठाकरे की शिवसेना में आना राणे गुट के लिए झटका है। बीजेपी के एक और नेता सुरेश बनकर अपने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना में शामिल हो गए। छत्रपति संभाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से 200 गाड़ियों के काफिले के साथ वे मुंबई, बांद्रा पूर्व स्थित मातोश्री में पहुंचे, जहां उद्धव ठाकरे रहते हैं। उन्होंने 35 साल तक बीजेपी के लिए काम किया। उनके साथ 103 बूथ प्रमुख 115 शक्ति प्रमुख और सैकड़ों पन्ना प्रमुख भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में आ गए।

महाराष्ट्र में 2022 से अब तक कई महत्वपूर्ण दल बदल और राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं, जो राज्य की राजनीति को प्रभावित कर चुके हैं। खासतौर पर शिव सेना में बड़ा विभाजन और बीजेपी के साथ नया गठबंधन प्रमुख घटनाएं रही हैं। 2022 में शिवसेना के भीतर सबसे बड़ा राजनीतिक संकट तब शुरू हुआ जब एकनाथ शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे की महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में मंत्री थे, ने पार्टी के विधायकों के एक बड़े समूह के साथ बगावत कर दी। एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक विधायक शिवसेना की एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन से असंतुष्ट थे। उनका मानना था कि यह गठबंधन शिवसेना की हिंदुत्ववादी विचारधारा से समझौता कर रहा है। परिणाम यह हुआ कि शिंदे और उनके समर्थक विधायकों ने बगावत कर दी और शिवसेना के लगभग 40 विधायकों को अपने पक्ष में कर लिया। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ हाथ मिलाकर सरकार बनाई। 2022 के जून महीने में शिंदे ने मुख्यमंत्री पद संभाला और भाजपा के देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने।शिव सेना का औपचारिक विभाजन हुआ और शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शिव सेना (एकनाथ शिंदे गुट) के रूप में दो धड़े सामने आए।

2023 में महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़ा घटनाक्रम तब हुआ जब एनसीपी में शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत कर दी। अजित पवार ने पार्टी के एक बड़े धड़े के साथ एनसीपी से अलग होकर भाजपा और एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल होने का फैसला किया। वह महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री बने और उनके साथ कई एनसीपी नेता भी सरकार में शामिल हुए। एनसीपी का भी औपचारिक विभाजन हो गया। शरद पवार ने अजित पवार के कदम की आलोचना की और कहा कि एनसीपी में बगावत से पार्टी को नुकसान हुआ है। हालांकि, एनसीपी का अजित पवार धड़ा अब राज्य सरकार का हिस्सा है।

महाविकास आघाड़ी गठबंधन का हिस्सा कांग्रेस भी थी। कांग्रेस ने भी महाराष्ट्र में दल बदल देखे। भाजपा और शिंदे गुट के साथ कई नेताओं ने कांग्रेस छोड़ दी। नारायण राणे महाराष्ट्र के एक प्रमुख नेता रहे हैं, जिन्होंने शिव सेना से राजनीति की शुरूआत की थी। शिव सेना छोड़ने के बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए और राज्य के मुख्यमंत्री भी बने। लेकिन 2017 में नारायण राणे ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और अपनी पार्टी ह्यमहाराष्ट्र स्वाभिमान पक्षह्न बनाई। बाद में वे भारतीय जनता पार्टी (इखढ) में शामिल हो गए।

राणे अभी लोकसभा के सदस्य हैं। राधाकृष्ण विखे पाटिल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता थे। वे राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए। इसके पीछे मुख्य कारण उनके बेटे सुजय विखे पाटिल का कांग्रेस में स्थान न मिलना था। हरिभाऊ बागड़े

कांग्रेस से शिव सेना में (1980 के दशक में) और फिर बीजेपी में चले गए। हरिभाऊ बागड़े, जो बाद में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष बने, कांग्रेस के सक्रिय नेता थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर पहले शिवसेना और फिर भारतीय जनता पार्टी का रुख किया। कृष्णा खोपड़े कांग्रेस से बीजेपी में (2014)= नागपुर से ताल्लुक रखने वाले कृष्णा खोपड़े भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। 2014 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। वह नागपुर क्षेत्र में सक्रिय हैं और महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य भी रहे हैं। अशोक चव्हाण, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी की सदस्यता ली और राज्यसभा सदस्य हैं।

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पहचान 1980 के दशक में बनानी शुरू की, लेकिन 1995 में जब भाजपा-शिवसेना गठबंधन सत्ता में आया, तब इसे एक प्रमुख पार्टी के रूप में मान्यता मिली। भाजपा धीरे-धीरे महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी मध्यम वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करती रही।

2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल तब हुआ जब शिवसेना का विभाजन हो गया। 2023 में शरद पवार की एनसीपी भी विभाजन का शिकार हो गई, जब उनके भतीजे अजित पवार ने बागी होकर भाजपा के साथ गठजोड़ किया। शरद पवार और अजित पवार के बीच विभाजन ने राज्य की राजनीति में अनिश्चितता बढ़ा दी।

महाराष्ट्र की राजनीति जटिल मोड़ पर है। शिवसेना का विभाजन और एनसीपी में गुटबाजी इसे जटिल बनाते हैं। उद्धव ठाकरे की शिव सेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार धड़ा) और कांग्रेस का गठबंधन भविष्य में फिर से सक्रिय हो सकता है, खासकर अगर वे भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का निर्णय लेते हैं। शरद पवार की रणनीति और नेतृत्व इस गठबंधन के भविष्य को तय करेंगे। अजित पवार बीजेपी के साथ कितने समय तक बने रहते हैं, यह भी सवाल है। क्या एनसीपी का उनका धड़ा राज्य की राजनीति में लंबी अवधि तक प्रभावी रह पाता है या वे खुद शरद पवार के साथ चले जाएंगे, यह अनिश्चित है।

महाराष्ट्र के आगामी चुनावों में महाराष्ट्र की राजनीति में और भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, खासकर 2024 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि कौन किसके साथ जाएगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बदलाव का दौर चलता रहेगा, और यहाँ की राजनीति देश की राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डालती रहेगी।

पृथ्वी के भीतरी गोले की धीमी होती गति की फिक्र

पृथ्वी का आंतरिक कोर यानी सबसे भीतरी भाग पिछले कुछ वर्षों से वैज्ञानिक समुदाय को उलझाए हुए है। एक नए अध्ययन ने इस बात के पुख्ता सबूत पेश किए हैं कि आंतरिक कोर ने दिशा बदल दी है और वह धीमा हो रहा है। यह बदलाव 2010 में हुआ था,लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा किस वजह से हुआ या कोर कब वापस बदलेगा। हमारे पैरों के नीचे लगभग 2,890 किलोमीटर की दूरी पर तरल धातु की एक विशाल गेंद जैसा दिखने वाला पृथ्वी का आंतरिक कोर लगभग चंद्रमा जितना बड़ा है और सूर्य की सतह जितना गर्म है। यह हमारे ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र को बनाए रखने में मदद करता है जो हमें कोशिका नष्ट करने वाले कैंसर-प्रेरक अंतरिक्ष विकिरण से बचाता है। दरअसल,पृथ्वी को तीन अलग-अलग परतों में विभाजित किया जाता है। इन परतों में क्रस्ट (पपड़ी),मेंटल यानी बाहरी कोर और आंतरिक कोर शामिल हैं। क्रस्ट पर हम रहते हैं और कोर को सबसे आंतरिक परत के रूप में जाना जाता है। मेंटल इन दोनों के बीच में है। कई सिद्धांतों के अनुसार पृथ्वी का कोर स्वतंत्र रूप से घूम रहा है। इसे ऐसा कहा जा सकता है कि पृथ्वी के भीतर एक ठोस धातु की गेंद है जो पृथ्वी से स्वतंत्र रूप से घूमती है,जैसे एक बड़ी गेंद के अंदर घूमती हुई गेंद।

पृथ्वी का कोर आज भी एक बड़ा रहस्य बना हुआ है। डेनिश भूकंप विज्ञानी इंगे लेहमैन ने 1936 में से खोजा था। आंतरिक कोर का अर्द्धव्यास 1220 किलोमीटर और तापमान 5200 डिग्री सेल्सियस है। यह ठोस गोला है जो मुख्य रूप से लोहे से बना है। आंतरिक कोर ने शोधकताओं को काफी आकर्षित किया है। इसकी गति जिसमें घूर्णन (रोटेशन) गति और दिशा शामिल है,दशकों से चल रही बहस का विषय है। हालिया सबूत बताते हैं कि कोर के घूर्णन में काफी बदलाव आया है, हालांकि वैज्ञानिक इसे लेकर विभाजित हैं।

पिछले दशक से वैज्ञानिकों को आंतरिक कोर के व्यवहार के बारे में कुछ असामान्य डेटा मिल रहा है कि इसका घूर्णन थोड़ा गड़बड़ा रहा है। यह भी कि 2010 में आंतरिक कोर ने पृथ्वी की सतह की तुलना में अपनी घूर्णन दिशा उलट दी थी। वैज्ञानिक इसे बैकट्रैकिंग कहते हैं। अब आंतरिक कोर अधिक धीमी गति से घूम रहा है। कुछ हलकों में आंतरिक कोर की दिशा बदलने के असर पर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। हालांकि घूर्णन के धीमा होने से ज्यादा से ज्यादा हमारे दिन की लंबाई थोड़ी कम हो सकती है। लेकिन यह अत्यंत सूक्ष्म व नामालूम से स्तर पर होगी।

वैज्ञानिक कुछ नहीं जानते कि पृथ्वी के मध्य में क्या चल रहा है। हालांकि हाल ही में किए गए एक अध्ययन ने डेटा को देखने का एक नया तरीका पेश किया है। इस शोध टीम का कहना है कि उसके पास पक्का सबूत है कि आंतरिक कोर वास्तव में पीछे की ओर बढ़ रहा है और अधिक धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। शोध दल ने दक्षिण अटलांटिक महासागर में दक्षिण सैंडविच द्वीप समूह में 1991 और 2023 के बीच बार-बार आए 100 से अधिक भूकंपों के सीस्मोग्राम का विश्लेषण किया और उनकी तुलना की। भूकंपीय ऊर्जा उन कुछ तरीकों में से एक है जिससे हम आंतरिक कोर का अध्ययन कर सकते हैं। ऊर्जा तरंगें सतह से मेंटल के माध्यम से,कोर तक जाती हैं और फिर वहां से वापस आ सकती हैं। वैज्ञानिक इसका पता लगा सकते हैं और माप सकते हैं। इस अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता जॉन विडेल और उनकी टीम ने देखा कि बार-बार आने वाले भूकंपों के सीस्मोग्राम एक दूसरे से कितने अच्छी तरह से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि हम आंतरिक कोर के हिलने पर सीस्मोग्राम की तरंगों में परिवर्तन स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

आम तौर पर वैज्ञानिक भूकंपीय तरंगों के बीच समय के अंतर को मापते हैं और यह देखते हैं कि उन्हें कोर तक जाने और वापस आने में कितना समय लगता है। यह कोर की स्थिति और समय के साथ इसमें होने वाले परिवर्तनों को मैप करने में मदद कर सकता है। लेकिन इसके लिए आंतरिक कोर की संरचना के बारे में अनुमान लगाने पड़ते जिसे हम अच्छी तरह से नहीं जानते। टीम की नई विधि में इस तरह के अनुमानों की आवश्यकता नहीं है। शोधकताओं ने केवल यह देखा कि सीस्मोग्राम कितने अच्छे तरीके से मेल खाते हैं। भले ही हम यकीनी तौर पर यह कह सकते हैं कि आंतरिक कोर पीछे की ओर झुक रहा है और धीमा हो रहा है,लेकिन रोटेशन की सही-सही गति या परिवर्तन का कारण क्या है,इसकी गणना करना मुश्किल है।

वैज्ञानिक आंतरिक कोर के अध्ययन के लिए भूकंप द्वारा उत्पन्न भूकंपीय तरंगों का उपयोग करते हैं। इन तरंगों का अध्ययन करने के एक नए तरीके का उपयोग करते हुए शोधकताओं ने एक आश्चर्यजनक खोज की है। उन्होंने पता लगाया है कि भूमध्य रेखा के चारों ओर कोर का एक डोनट (मोटे छल्ले जैसी पेस्ट्री) के आकार का क्षेत्र है,जो कुछ सौ किलोमीटर मोटा है,जहां भूकंपीय तरंगें कोर के बाकी हिस्सों की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत धीमी गति से यात्रा करती हैं। वैज्ञानिकों को लगता है कि इस क्षेत्र में सिलिकॉन और ऑक्सीजन जैसे अधिक हल्के तत्व हैं जो कोर के माध्यम से बहने वाली तरल धातु की विशाल धाराओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं जो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को उत्पन्न करतीं हैं। भूकंप द्वारा उत्पन्न भूकंपीय तरंगों के अधिकांश अध्ययन बड़ी प्रारंभिक तरंगों को देखते हैं जो भूकंप के बाद एक घंटे या उससे अधिक समय में दुनिया भर में यात्रा करती हैं। वैज्ञानिकों ने महसूस किया कि हम इन तरंगों के बाद के कमजोर हिस्से को देखकर कुछ नया सीख सकते हैं, जिसे कोडा के नाम से जाना जाता है। पिछले अध्ययनों ने निष्कर्ष निकाला था कि बाहरी कोर की ह्यछतह्न के चारों ओर हर जगह तरंगें अधिक धीमी गति से चलती हैं। हालांकि शोधकताओं ने ताजा अध्ययन में दिखाया है कि कम वेग वाला क्षेत्र केवल भूमध्य रेखा के पास है। बाहरी कोर का निचला हिस्सा ऊपर से ज्यादा गर्म होता है। तापमान के अंतर के कारण तरल धातु स्टोव पर रखे बर्तन में उबलते पानी की तरह हिलती है। इस प्रक्रिया को तापीय संवहन कहा जाता है। अगर बाहरी कोर में हर जगह एक ही सामग्री भरी हुई है,तो भूकंपीय तरंगों को भी हर जगह लगभग एक ही गति से यात्रा करनी चाहिए। तो ये तरंगें डोनट के आकार वाले क्षेत्र में धीमी क्यों हो जाती हैं? वैज्ञानिकों को लगता है कि इस क्षेत्र में हल्के तत्वों की मात्रा अधिक होने के कारण तरंगें धीमी हो जाती हैं। बाहरी कोर में एक और ग्रह-स्तरीय प्रक्रिया भी काम कर रही है। पृथ्वी का घूर्णन और छोटा ठोस आंतरिक कोर बाहरी कोर के तरल को उत्तर-दक्षिण दिशा में चलने वाली लंबी भंवरों में व्यवस्थित करता है। इन भंवरों में तरल धातु की अशांत गति ह्यजियोडायनेमोह्न बनाती है जो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को बनाने और उसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह चुंबकीय क्षेत्र हमारे ग्रह को हानिकारक सौर पवन और विकिरण से बचाता है, जिससे सतह पर जीवन संभव होता है।

बाहरी कोर की बनावट का अधिक विस्तृत दृश्य जिसमें हल्के तत्वों का नया खोजा गया डोनट भी शामिल है, हमें हमें पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। समय के साथ चुंबकीय क्षेत्र अपनी तीव्रता और दिशा कैसे बदलता है,यह पृथ्वी पर जीवन और बाहरी ग्रहों की संभावित आवास योग्यता के लिए महत्वपूर्ण है '

क्या कोई बड़ी साजिश है दिल्ली में हुआ 'धमाका'?

दिल्ली के रोहिणी इलाके में हुए धमाके की जांच तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस समेत केंद्रीय जांच एजेंसियां हर कोण से जांच कर रही हैं। पाकिस्तान से चलने वाले टेलीग्राम चैनल पर इस धमाके में खालिस्तानी उग्रवादियों के शामिल होने का दावा किया गया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने इसमें खालिस्तानी एंगल से भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने टेलीग्राम से चैनल के बारे में जानकारी मांगी है। रविवार को हुए इस विस्फोट में सीआरपीएफ स्कूल की दीवार का एक हिस्सा और आसपास के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे, हालांकि कोई भी घायल नहीं हुआ था।

नई दिल्ली के रोहिणी के पास प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह (20 अक्टूबर) सीआरपीएफ स्कूल के पास एक तेज धमाका हुआ। इस स्कूल में सीआरपीएफ और अन्य अर्धसैनिक बल के परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन आसपास के वाहनों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। घटना के सीसीटीवी फुटेज में धमाके की तेज आवाज सुबह करीब 7.03 बजे सुनी गई। पुलिस के अनुसार, रोहिणी सेक्टर 14 में सीआरपीएफ स्कूल के पास विस्फोट के बारे में सुबह 7.47 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष में एक कॉल आई। इस पर, स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और उनकी टीम मौके पर पहुंची, जहां स्कूल दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई। घटनास्थल से दुर्गंध आ रही थी और पास की दुकानों और पास में खड़ी कारों की खिड़कियां टूट गई थीं।

घटनास्थल पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हम घर पर बैठे थे, तभी हमें एक जोरदार धमाका सुनाई दिया। पहले तो हमें समझ में नहीं आया कि क्या हुआ, हमें लगा कि कोई सिलेंडर फट गया है। फिर हम नीचे भागे और देखा कि हर जगह बहुत सारा पीला धुआं था, इसलिए हमने पुलिस को फोन किया।

प्रत्यक्षदर्शी ने घटनास्थल पर संपत्ति के नुकसान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी शीशे टूट गए थे। हमने इतना तेज धमाका सुना कि हमें लगा कि हमारी इमारत भी हिल रही है। विस्फोट के कारण हमारी पार्किंग के पास के गेट का ताला भी टूट गया।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि घटना के बाद क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया और वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति के बारे में सूचित किया गया। इस बीच, वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। रोहिणी जिले की अपराध टीम, एफएसएल रोहिणी, बीडीटी, एनडीआरएफ, एनएसजी, अग्निशमन विभाग और एसडब्ल्यूएटी को सूचित किया गया और सभी टीमें मौके पर पहुंचीं।

धमाके के बाद सभी सुरक्षा एजेंसी ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। आतंकी मामलों की जांच करने वाली एनआईए की टीम भी मौके पर पहुंची। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने भी घटनास्थल पहुंचकर वहां जांच की। एनआईए की टीम ने सबसे पहले विस्फोट वाले जगह का मुआयना किया और साक्ष्य हासिल किए। उसके बाद टीम ने विस्फोट से हुए नुकसान वाली जगह की बारीकी से जांच की। टीम करीब दो घंटे तक घटनास्थल पर मौजूद रही। उधर घटना के बाद दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया और पुलिस ने दिवाली से पहले बाजारों में सुरक्षा बढ़ा दी है।

धमाके वाली जगह पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि कम तीव्रता वाले विस्फोटक और आमतौर पर कच्चे बमों में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियों के निशान पाए गए हैं। जांच एजेंसियों को संदेह है कि घटनास्थल पर मिला सफेद पाउडर अमोनियम फॉस्फेट और अन्य रसायनों से बने कच्चे बम का हो सकता है। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और एनएसजी के विशेषज्ञों ने इस्तेमाल किए गए सटीक रसायनों का पता लगाने के लिए विश्लेषण के लिए घटनास्थल से नमूने लिए हैं।

एजेंसियों को घटनास्थल पर सफेद पाउडर मिला है, जिसका इस्तेमाल क्रूड बम में होने का संदेह है।

ख़राब रिजल्ट, सिटी बस, व कालेज पहुँच मार्ग को लेकर
एनएसयूआई का महिला कालेज में प्रदर्शन

भारी पुलिस बल की तैनाती में छात्र

छात्राओं ने जमकर नारे बाज़ी की

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा हाल के में घोषित किए महिला कालेज कटनी के बेएससी दृतीय वर्ष के परीक्षा परिणामों में 90 प्रतिशत छ्त्राओं के परिणाम फेल आने, आवागमन हेतु सिटी बस प्रारंभ करने, व गर्ल्स कालेज पहुँच मार्ग जल्द बनवाने की माँग को लेकर एनएसयूआई ने ज़ोरदार प्रदर्शन किया। जानकारी देते हुए मप्र एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अजय खटिक ने बताया कि शहर से दूर गर्ल्स कालेज खोल दिया गया है, हमारी बहनों के आवागमन का कोई ध्यान नहीं रखा गया, ना ही पहुँच मार्ग बनाया गया, हाल ही में घोषित हुए बेएससी दृतीय वर्ष की परीक्षा परिणामों में 90 प्रतिशत छ्त्राएँ फेल हो गई है।

एनएसयूआई कि माँग है कि छ्त्राओं की परीक्षा शुल्क वापस किया जाये व कपियों का पुन: मूल्यांकन किया जाए। एनएसयूआई द्वारा छात्र नेताओं एवं कॉलेज की छ्त्राओं द्वारा कालेज गेट पर उग्र प्रदर्शन किया। कालेज परिसर पुलिस छावनी में तब्दील हो गया, स्थिति बिगड़ती देख एसडीएम प्रदीप मिश्रा मौक़े पर पहुँचे व उन्होंने कालेज रोड 3 माह के अंदर बनवाने, सिटी बस एक हफ़्ते में प्रारंभ करने व एक हफ़्ते में परीक्षा परिणामों का पुन: मूल्यांकन कराने की बात की तब जाकर एक घंटे अनवरता चला प्रदर्शन रुका। प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से कांग्रेस आईटीसेल जिलाध्यक्ष अभिषेक प्यासी, युंका आउटरिच जिलाध्यक्ष सचिन गर्ग, प्रिंस वंशकार, इकलाख अहमद, प्रज्वल साहू, पूजा सोनी, श्रद्धा विश्वकर्मा, निखिल उपाध्य, प्रवीण सिंह, राजन साहू, सत्यम द्विवेदी, हिमांशु दहिया, अमित साहू, अनूप सिंह, ऋषभ परोहा, अखिलेश पटेल, प्रिंस विश्वकर्मा, अनुराग पटेल , सन्या खान, सीता चौधरी, मोनू पटेल, अमिता पटेल, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रील के चलते लोग भूल रहे रियल लाइफ

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, पहले महानगरों तक रील बनाने का शौक सीमित था परंतु आजकल सतना शहर से लेकर गांव तक रील बनाने का शौक चल पड़ा है। यहां तक कि अब छोटे छोटे बच्चे भी मोबाइल लेकर रील बनाते हुए मिल रहे हैं। रील के माध्यम से लोग कुछ हटकर दिखाना चाहते हैं। सतना में कुछ छात्र इस तरह सार्वजनिक कृत्य करते हुए देखे भी गए थे। पहले तो छात्र छात्रा ने कॉलेज में डांस करके रील बनाई फिर रेलवे स्टेशन में भी ऐसा ही करते देखे गए। इस बार उन पर कार्यवाही भी हुई। पिछले दिन त्योहारों में भी कुछ युवकों ने रील बनाई। आजकल रील लाइफ बहुत चलने लगी है। लोग रियल और रील लाइफ का अंतर नहीं समझ पा रहे हैं जिसके कारण उनको तरह तरह के खतरों से गुजरना पड़ रहा है।

डिजिटल युग में सोशल मीडिया का प्रभाव जीवन के हर पहलू में दिखाई देता है, विशेषकर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। रील लाइफ और रियल लाइफ की तुलना से युवा अपने आत्मसम्मान और मानसिक संतुलन को खोने लगे हैं।

क्या कहते हैं साइकोलॉजिस्ट-
एक साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां बच्चे अपने माता-पिता से अनावश्यक वस्तुओं की मांग करते हुए खाना-पीना छोड़ देते हैं। यहां तक कि देखा गया है कि रील बनाने के चक्कर में अपना कार्य, अपना खान पान सब भूलकर मन मस्तिष्क में सिर्फ रील बनाने की धुन चलने लगती है।

मानसिक संतुलन पर प्रभाव- विशेषज्ञों का कहना है कि रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान लगातार प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट्स को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्व का अनुभव कराना चाहिए।

शरदोत्सव के मंच पर पुन जीवित

हो उठा हिन्दी का पहला नाटक

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, आकार वेलफेयर सोसाइटी सतना द्वारा पुन: नाटक आनन्द रघुनन्दन किया गया जिसकी दो प्रस्तुतियाँ लगातार हुईं पहली प्रस्तुति 16 अक्टूबर को शरदोत्सव चित्रकूट एवं दूसरी प्रस्तुति 19 अक्टूबर को जयपुरिया स्कूल सभागार सतना में हुई। युवा रंगकर्मी अमित कुमार शुक्ल एवं शुभम बारी के निर्देशन में महाराजा विश्वनाथ सिंह द्वारा लिखित नाटक अपनी लोक बोली बघेली में खेला गया जिसका बघेली भाषान्तरण एवं संपादन योगेश त्रिपाठी जी द्वारा हुआ है एवं पूरी प्रस्तुति का प्रबंधन एवं संयोजन अनामिका सिंह जी ने किया है। नाटक में दृश्य संयोजन, संगीत व अभिनय का ऐसा अद्भुत संयोजन है की 2 घंटे की प्रस्तुति में लगातार दर्शकों को रोमांचित करते रहने की अद्भुत क्षमता है, एक महीने की मेहनत के बाद तैयार हुआ नाटक जब भगवान राम की तपोभूमि में उन्हीं की कथा कहने पहुंचा तो ऊर्जा और उत्साह चार गुना बढ़ गया तथा शरद महोत्सव जैसा समृद्ध मंच मिलना नाटक को सही सम्मान प्राप्त होने जैसा है, संगीत प्रधान नाटक में विशेष रूप से तालवादन हेतु उज्जैन से वीरेंद्र जानी एवं बांसुरी वादन के लिए ग्वालियर से अजय सोनी जी को बुलाया गया बल्कि संगीत संयोजन एवं गायन में सतना के ही पुष्पेंद्र पाण्डेय जी रहे।

नाटक में प्रमुख कलाकार हैं अंकित कुशवाहा, अक्षय वलेजा, अभिषेक चौधरी, अमितेश सेन, हर्ष वर्धन सिंह, अमन वर्मा, सागर सेन, राहुल चौरसिया, अमन सोनी, पुष्पेंद्र पाण्डेय, वीरेंद्र जानी, अजय सोनी, शिवम चौधरी, सत्यम चौधरी, अन्वेषा सिंह, पूजा कुशवाहा, पूजा सेन, अभिलाष सोनी, ऐंद्री सिंह, अनामिका सिंह, अमित शुक्ला, देवेंद्र वर्मा, देवांशु सिंह, अंशु कुशवाहा, लखन त्रिपाठी, अनुराग श्रीवास्तव, मयंक अग्निहोत्री, प्रकाश त्रिपाठी, रूपाली कृष्णानी, विक्रमेन्द्र सिंह , नाट्य मंचन की प्रस्तुति से प्रभावित होकर जयपुरिया स्कूल के संचालक श्री पुष्पराज सिंह जी ने 11,000 एवम् श्री रामाकृष्णा के संचालक शम्मी पुरी जी ने 11,000 साथ ही असिस्टेंट कमिश्नर जी एस टी श्री विपिन दुबे जी ने 5100 की राशि कलाकारों के उत्साहवर्धन हेतु दी।

कटनी पुलिस 24 घंटे में बाइक चोर को करा गिरफ्तार

चोरी की बाइक बरामद

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले की कोतवाली पुलिस ने एक बाइक चोर को अरेस्ट कर चोरी हुई बाइक जब्त की है, इस पूरे मामले में चोर की बाइक चोरी करना का वीडियो भी प्रकाश में आया था जिस वीडियो के आधार पर चोर जो पकड़ने में कोतवाली पुलिस को आसानी हुई और 24 घंटे के अंदर चोर को अरेस्ट कर लिया गया। कोतवाली थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि द्वद्वद्व हॉस्पिटल में काम करने वाले विवेक त्रिपाठी 0ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बाइक किसी अज्ञात युवक ने चोरी कर मौके से फरार हो गया है जिसका एक सीसीटीवी वीडियो भी है जिस वीडियो के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी रमाकांत विश्वकर्मा जो अमदरा निवासी है जिसे अरेस्ट कर लिया गया है और उसके पास से चोरी हुई मोटर साइकल जब्त आरोपी युवक को न्यायलय में पेश कर दिया है।

अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में सुविधाओं के विस्तार के लिए आम नागरिकों सहित पूर्व विधायक ने सौपा पत्र

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर जंक्शन स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है।जिसका कार्य धीमी गति से चलने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इसको लेकर जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट सहित पूर्व विधायक एवं कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने भी स्टेशन प्रबंधक,कलेक्टर अनूपपुर एवं डीआरएम बिलासपुर को पत्र प्रेषित कर चल रहे निर्माण कार्यों को तीव्र गति से प्रारंभ करते हुए सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। ज्ञापन में लेख किया गया है कि रेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा एसईसीआर स्थिति अनूपपुर ज. स्टेशन को अमृत भारत योजना में सम्मिलित किया गया है एवं स्टेशन पर नवीनीकरण का कार्य निर्माणाधीन है। यह स्वागत योग्य कदम है।आवागमन के बेहतर प्रबधन हेतु अनूपपुर रेल्वे स्टेशन में प्रवेश हेतु लाइब्रेरी के बगल से कोतवाली तिराहा से प्रस्तावित निर्माणाधीन सड़क को कम से कम 30 फिट चौड़ी सड़क का निर्माण लोक हित में आवश्यक है।जिससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही प्रवेश गेट 40 फिट का किया जाना भी आवश्यक है और सड़क को रेल्वे की सीमा से सीधे-सीधे मुख्य स्टेशन होते हुए पुरानी वेस्ट केविन की सड़क से जोड़ा जाना भी आवश्यक है।जिससे अनूपपुर जक्शन जो छ.ग. राज्य के सरगुजा संभाग का प्रवेश द्वार है वहाँ से आने वाले यात्रियों को बिना शहर एवं बाजार में प्रवेश किये वगैर सीधे बिना किसी बाधा के रेल्वे स्टेशन में प्रवेश कर अपनी गंतव्य की यात्रा कर सकेगे और शहर के यातायात की व्यवस्था भी बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से संचालित होगी। साथ ही अमृत भारत एवं गतिमान्य योजना के तहत जो भी कार्य निर्माणाधीन है उचित गुणवत्ता के अनुरूप समय सीमा पर समाप्त कराया जावे।इसके अतिरिक्त प्लेटफार्म क्रमांक 01 से 03 एवं 04 को जोड़ने वाली सीढी (फुट ओव्हर ब्रिज रेम सहित) अविलंब निर्माण किया जावे।इसके अतिरिक्त स्टेशन में लिप्ट एवं एक्सीलेटर भी शीघ्र लगाया जावे।एवं प्लेटफार्म क्रमांक 01 से 03 व 04 में जाने के लिए दिव्यांगजनों,वरिष्ट नागरिक के लिए व्यवस्था की जावे।जंक्शन स्टेशन में क्लाक रूम और स्टेशन के बाहर और सभी सीढियों के समीप इलेक्टानिक ग्लो साइन बोर्ड लगाया जावे।

उपरोक्त सुविधाओं का विस्तार यात्रियों के हित के लिए आवश्यक कदम है।यात्री हित में शहडोल- नागपुर ट्रेन का बिस्तार अनूपपुर तक,रानी कमलापति से संतरागाछी के बीच चलने वाली ट्रेन का अनूपपुर में ठहराव,चिरमिरी-रीवा को पैसेंजर के रूप में पुराने समय के अनुसार प्रतिदिन चलाया जाना भी आवश्यक है।

बरौनी-गौदिया एक्सप्रेस का विस्तार नागपुर,ईतवारी, कामठी,अंजनी स्टेशन तक किया जाए।अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस का विस्तार नागपुर,ईतवारी,कामठी,अंजनी स्टेशन तक किया जाए।टाटानगर-बिलासपुर पैसेजर का विस्तार चिरमिरी तक किया जाये। उपरोक्त सभी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट,पूर्व नगर पालिका पार्षद राकेश गुप्ता बबलू,अतुल ताम्रकार,कैलाश गुप्ता एवं बिलासपुर से आए कमर्शियल अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कोठी सहित मयखाना बना डाला आसपास के क्षेत्र को अवैध शराब के पैकारों ने

नए थाना प्रभारी से नगर के लोगों को आशा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, पिछले कुछ समय से कोठी सहित आसपास के क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा के पैकारों ने क्षेत्र को मयखाना बना डाला है इसके उदाहरण जगह-जगह देखने को मिलेंगे, कोठी सहित कोठी के आसपास के गांव रनेही, कंचनपुर, सोंनौर, उदय सागर खटोला मौहार मनकहरी सगमा पौड़ी दिदौध रायपुर सेमरी मनीकवार झाली रैकसेल्वा सहित अन्य कई ग्रामों में जगह-जगह शराब एवं गांजे का अवैध कारोबार फल फूल रहा है, ठेकेदार एवं आबकारी तथा पुलिस विभाग के आपसी तालमेल से यह सब हो रहा है जिससे क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है, जिससे अब पुरुषों के साथ-साथ युवा तथा महिलाएं भी इसकी गिरफ्त में आ रहीं हैं, पिछले दो दिनों से क्षेत्र में चर्चा है कि थाना प्रभारी का स्थानांतरण हो गया है अब महिला सशक्तिकरण में कोठी ने एक कदम आगे और बढ़ाया है और अब कोठी में महिला थाना प्रभारी के हाथ में थाना की कमान है अब नगर के लोगों को बड़ी आशा है कि शायद इस समस्या से छुटकारा मिल सके, हालांकि क्षेत्र में कुछ लोगों ने यह भी चर्चा रही कि कोठी थाना प्रभारी के स्थानांतरण हो जाने से कुछ लोगों की चलती चलाती दुकान बंद हो गई जिससे लोगों में दुख होना स्वाभाविक है अब फिर से नए तरीके से सेटिंग बनानी पड़ेगी परंतु देखने वाली दिलचस्प बात यह है कि अब आगे चलकर क्या होता है यही ढुलमुल रवैया अथवा शख्त रूप अपनाएंगी थाना प्रभारी श्वेता मौर्य, क्योंकि अब नगर में चर्चा यह है की कोठी ने महिला सशक्तिकरण के विषय पर एक कदम और आगे बढ़ाया है अब महिलाओं के ही हाथ में कोठी की अधिकांशत सभी विभागों की कमान है चाहे वह बीएमओ हो अथवा सीएमओ अध्यक्ष को अथवा थाना प्रभारी, क्योंकि यह जनता है सब जानती है।

करवा चौथ की रात मंदाकिनी में कूदकर महिला ने दी जान पति से हुआ था किसी बात को लेकर विवाद

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, चित्रकूट में करवा चौथ के रात ही एक महिला ने अपने पति से नाराज होकर मंदाकिनी नदी में कूद कर जान दे दी। घटना की सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची है पुलिस ने शव को मंदाकिनी नदी से बाहर निकलवाया है और परिजनों को सूचना दी है मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार की मौजूदगी में महिला के शव को पंचनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए मझगंवा भेजा गया है। बरता में की सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला का शव मंदाकिनी नदी में पड़ा हुआ है। सूचना के बाद मौके पर थाना प्रभारी डी आर शर्मा समेत चित्रकूट थाना पुलिस मौके पर पहुंची गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से महिला के शव को नदी से बाहर निकल गया महिला की पहचान मालती आरख पत्नी रोहित आक निवासी नयागांव वार्ड क्रमांक 6 के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा नायब तहसीलदार हिमांशु शुक्ला को मौके पर बुलाया गया और परिजनों की मौजूदगी में 100 का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए मझगंवा अस्पताल भेजा गया है बताया जा रहा है कि चित्रकूट में कोई भी महिला चिकित्सक नहीं है जिसके चलते मृतका के शव का पोस्टमार्टम मझगवां में होगा। परिजनों द्वारा पति पर मारपीट करने और मृतकता को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है मृतका का के एक ढाई साल का बच्चा भी है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी चित्रकूट डी आर शर्मा ने बताया कि वार्ड क्रमांक 6 नया गांव की रहने वाली मालती नाम की महिला कासव मंदाकिनी नदी में मिला है बताया जा रहा है कि महिला ने मंदाकिनी नदी के बड़े पुल से कूद कर जान दे दी है। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है परिजनों की तहरीर के अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय बागरी समाज की बैठक संपन्न

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ
शाजापुर, पांडव पंचमी पर शाजापुर में शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसको लेकर अखिल भारतीय बागरी समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर गोपाल बागरी, नागूलाल बागरी, नागूलाल बागरी, गोपाल बागरी, रमेश बागरी, राधेश्याम बागरी, माखन बागरी, मुकेश बागरी, कालूसिंह बागरी, गोपाल बागरी, दिलीप बागरी आदि मौजूद थे।

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर जी के स्मृति में सामतपुर का सामुदायिक भवन बना कांजी हौज। यशपाल जाट जिला ब्यूरो अनुपपुर

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर भगवा पार्टी अनूपपुर के जिला मिडिया प्रभारी धर्मेंद्रकान्त तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नगरपालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक एक में बनाए गए राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की स्मृति में निर्मित सामुदायिक भवन का उपयोग कांजी हौज नंबर के रूप में हो रहा हैं,जबकि सामुदायिक भवन के चारों ओर बाउंड्रीवाल का निर्माण कराकर बकायदा गेट लगाकर व्यवस्थित कराया गया है,क्योंकि हर वर्ष राष्ट्रवीर दुर्गादास जी के स्मृति में होने वाला कार्यक्रम उक्त सामुदायिक भवन में ही आयोजित किया किया जाता है,साथ ही सामुदायिक भवन प्रांगण में ही झंडारोहण का कार्यक्रम भी सम्पन्न होता है,इसके अलावा शादी विवाह के अवसर पर यह सामुदायिक भवन लोगो के लिए काफी उपयोगी

साबित होने के बावजूद सामुदायिक भवन के बाउंड्रीवाल के अंदर पशुओं को बांधने के साथ ही पशुओं को चारा भूसा खिलाया जा रहा हैं बताया गया कि नगरपालिका अंतर्गत वार्डवासियों को उनके घरों में जगह कम होने के कारण शादी ब्याह और सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु होने वाली असुविधा से बचने हेतु बनाए गए सामुदायिक भवन से लोग काफी लाभान्वित होते है,शादी विवाह एवं उत्सव के दिनों में भवन का महत्व और भी बढ़ जाता है।लेकिन ऐसे में लोग उत्सवों में भवन के उपयोग से वंचित रह जाते है। वही दूसरी ओर अनूपपुर नगरपालिका द्वारा उक्त मामले में संज्ञान लिए जाने की नितान्त आवश्यकता है,क्योंकि नगरपालिका परिषद अनूपपुर द्वारा ही निर्मित उक्त सामुदायिक भवन के आज अतिक्रमण के चपेट में होने के बावजूद भी उसे मुक्त कराने हेतु नगरपालिका द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं हो पाई है,जिससे लोगों के हौसले दिनों दिन बुलंद हो रहे है साथ ही उक्त कृत्य से वार्डवासियों में नाराजगी और असंतोष भी व्याप्त है।

अनूपपुर पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौधरी ने पुलिया निर्माण हेतु ज्ञापन सौंपते हुए अमरण अनशन की दी के लिए चेतावनी

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर नगरपालिका वार्ड क्रमांक 02 के पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौधरी ने पुलिया निर्माण हेतु प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी डी. एन. मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वार्ड में पुलिस कॉलोनी जाने वाले रास्ते में मीरा बर्मन के घर के पास मेरे द्वारा लगभग 19 वर्ष पूर्व सड़क के नीचे एक छोटा सा नाला बनाया गया था,जिससे पूरे शहर के गंदे पानी का निस्तारण होता था,किंतु अब धीरे धीरे शहर बड़ा हो गया और नाला और भी सकरा हो गया साथ ही टूट फूट के कारण बरसात के दिनों में पानी नाला के ऊपर से बहता है,तथा उक्त सड़क पर आए दिन दुर्घटना होती रहती है।जिस पर पूर्व वार्ड पार्षद द्वारा जल्द से जल्द

उक्त नाला में पुलिया निर्माण कराए जाने की मांग नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी और जन प्रतिनिधियों से की गई है,और यदि कार्य समय पर नहीं होता है तो आमरण अनशन किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी नगरपालिका की होगी।

थाना करनपठार के द्वारा 17 रास भैंस एवं 05 रास पडवा कुल - 22 रास अवैध परिवहन करते पकडे गये

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, वरिष्ट अधिकारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्ग दर्शन एवं निर्देशन में एवं उप निरी. संजय खलखो थाना प्रभारी थाना करनपठार के नेतृत्व में हमराही स्टाफ उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे, प्रआर. 256 राजेश पाव, प्रआर. 79 कमल सिंह मसराम चौकी सरई एवं प्रआर. 41 विजय कुमार द्विवेदी, आर. 287 विनोद कुमार थाना करनपठार को दिनांक 20/10/2024 को थाना एचसीएम राजेन्द्र पडवार क्रमांक 136 के द्वारा बताया गया कि जरिये मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक सफेद रंग का ट्रक जिसका नम्बर क्र 96 ज्ञ 6738 जो ग्राम फरहदा से अवैध रूप से ट्रक में भैस पडवा क्रूरता पूर्वक लोड कर सरई, शहडोल होते हुए उत्तर प्रदेश बुचड खाना लेकर जा रहे है । मुखबिर की सूचना स्वतंत्र साक्षीयो को अवगत कराया जाकर स्वतंत्र साक्षियों के सूचना कि तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ एवं गवाहान मय शासकीय वाहन एवं प्राईवेट चालक एवं सरई के शासकीय वाहन का प्राईवेट चालक के रवाना होकर पडरिया शहडोल स्टेट हाईवे ग्राम अमदरी के पास पहुंचकर हमराही स्टाफ एवं गवाहानो के साथ मुखबिर के बताये हुये ट्रक का

इन्तजार कर रहा थे कि कुछ देर बाद तुलरा तरफ से एक सफेद रंग की ट्रक काफी तेजी से आती दिखाई दी जिसे टार्च की रोशनी एवं वाहन तथा स्टापर की मदद से रोकने का प्रयास किया गया तो ट्रक का चालक अपनी ट्रक को पुलिस को देखकर हाईवे से नीचे अमदरी रोड में उतार दिया तथा ट्रक को अमदरी रोड चरकूमर तिराहे के पास रोड में खडा करके अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी ट्रक चालक एवं जानवर भैस, पडवा लोड करने वाले लोग पुलिस को देखकर लुक छिप गये टार्च की मदद से देखा गया लेकिन दस्तायब नही हुये तथा ट्रक को देखा गया तो जिस नम्बर के ट्रक को मुखबिर ने बताया था उसी नम्बर का ट्रक था तथा ट्रक के अंदर देखने पर भैस पडवा ठूस ठूस कर क्रूरता पूर्वक ट्रक के बाडी में बंधे रस्सी से पाये गये तथा गवाह एवं हमराह स्टाफ के साथ देखा गया तो ट्रक के अँदर 17 नग भैंस तथा 05 नग पडवा कुल 22 नग लोड पाये गये जिनके घूमने फिरने श्वांस लेने एवं खाने पीने की कोई व्यवस्था नही थी मौके पर ट्रक क्रमांक क्र 96 ज्ञ 6738 अशोक लिलैण्ड कम्पन्नी की जिसकी (कीमती 15 लाख रूपये) तथा ट्रक में लोड 22 नग भैंस पडा ट्रक में लोड भैस पडवा विभिन्न रंग रूप के पाये गये जिसकी कीमती 05 लाख रूपये (कुल कीमती 20 लाख रूपये) का जप्त किया गया बाद वाहन क्रमांक क्र 96 ज्ञ 6738 का चालक व मालिक के दस्तयाब होने पर अन्य परिवहन करने वाले तस्करो का नाम विवेचना के दौरान आने पर खुलासा किया जावेगा चालक व वाहन मालिक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 171/2024 धारा 6, 6(क),(ख),9-10 म. प्र. पशु परिरक्षण अधि. -1959 एवं 11ध पशु क्रूरता अधि. 1960 तथा परमिट शर्तो का उलंघन करना पाये जाने से 66/192 मो. व्ही. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । तथा जप्त सुदा भैस पडवा को काजी हाऊस न होने से सुपुर्दगी में राजकुमार यादव निवासी डुबसरा को सुपुर्दगी में दिया तथा जप्त सुदा भैस पडा का मेडिकल परीक्षण कराये जाने हेतु बिटनरी सर्जन बेनीबारी को तहरीर भेजी गयी है । वापसी पर ट्रेक क्रमांक क्र 96ज्ञ 6738 के चालक एवं वाहन स्वामी के विरूद्ध प्रथम दृष्टया अपराध पाये जाने से पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया । मामले की विवेचना जारी है।

समाधि स्थल पर हुई तोडफ़ोड़ के मामले में नाथ समाज ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, नाथ संप्रदाय के समाधि स्थल पर बीते असमाजिक तत्वों के द्वारा की गई तोडफ़ोड़ के विरोध में समाज के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की। सोमवार को एसडीएम मनीषा वास्कले को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम गिरवर में नाथ संप्रदाय का समाधि स्थल है, जिसमें एक मंदिर भी स्थित है। बीते दिनों उक्त समाधि स्थल पर किए गए पौधा रोपण के टीगार्ड को अज्ञात असमाजिक तत्वों के द्वारा तोड़ दिया गया। वहीं समाधि स्थल पर मौजूद शिवलिंग और छत्रियों को

क्षतिग्रस्त कर दिया गया था, लेकिन मामले में आरोपियों के विरूद्ध अब तक कोई कार्रवाई नही हुई है। ज्ञापन में मांग की गई कि समाधि स्थल पर तोडफ़ोड़ करने वाले आरोपियों का शीघ्र पता लगाकर कार्रवाई की जाए, अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।

पुलिस स्मृति दिवस पर हुई परेड, शहीद परिवारों को किया गया सम्मानित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में 21 अक्टूबर 1959 को भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 10 पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे, तब से इन शहीदों और कर्तव्य निभाते हुए ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सभी पुलिस कर्मियों को सम्मानित करने के लिए हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। इसीको लेकर सोमवार को पुलिस लाइन शाजापुर के शहीद स्मारक परेड ग्राउंड में पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस स्मृति परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत के द्वारा पूर्व में देश में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों का नाम वाचन कर उन्हें नमन किया गया। इसके बाद पुलिस स्मृति परेड द्वारा शहीदों को सलामी दी गई ओर परेड मार्च हुई। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा शहीद जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। शहीद जवान की स्मृति में जिला कलेक्टर ऋजु बाफना ने शाल, श्रीफल देकर शहीद परिवारों को सम्मानित

किया। इस अवसर पर एएसपी टीएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गोपालसिंह चौहान, रक्षित निरीक्षक वंदनासिंह सहित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी तथा शहीद के परिजन उपस्थित रहे।

अमर शहीद शिवदयालसिंह चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण- शहीद दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बालकृष्ण नवीन महाविद्यालय शाजापुर में स्थापित शाजापुर के शहीद शिवदयालसिंह चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, नगरपालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी, जन भागीदारी अध्यक्ष विपुल कसेरा, महाविद्यालय प्राचार्य बीएस विभूति आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान विधायक भीमावद शहीद चौहान की प्रतिमा पर तिलक एवं दीपक लाकर माल्यार्पण किया। साथ ही कॉलेज प्रशासन से अनुरोध किया कि हर वर्ष शहीद दिवस और भी भव्य रूप से मनाया जाए एवं जनमन नागरिक गण को इसमें आमंत्रित किया जाए। इस ही कार्यक्रम में कॉलेज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाए। इस अवसर पर विजेंद्रसिंह रामगढ़, रघुवीरसिंह, तेजसिंह सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नवयुवती का पीछा कर परेशान करने एवं रात्रि में घर में घुसने की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, शनिवार को रेल्वे विभाग अनूपपुर में कार्यरत 27 वर्षीय नवयुवती के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि विगत कुछ दिनों से सुरेन्द्र शिवहरे निवासी अनूपपुर डियुटी से आते जाते वक्त बुरी नियत से पीछा करता है और दिनांक 17 एवं 18 अक्टूबर 2024 की दरम्यानी रात करीब 03.00 बजे जब नवयुवती अपने घर में सो रही थी तो अचानक दरवाजा खटखटाने की आवाजें आने पर खिड़की से देखी तो सुरेन्द्र शिवहरे घर का गेट कूदकर प्रथम मंजिल में आकर दरवाजा खटखटा रहा था जो हल्ला करने पर आस पास के लोग जाग गये और सुरेन्द्र शिवहरे मौके पर से भाग गया एवं घर के दरवाजे पर एक लेडिस छोटे पर्स में टाफियां एवं आपत्तिजनक पत्र रखकर चला गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में टी. आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन द्वारा तत्काल नवयुवती की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 457/24 धारा 78,331(4) बी.एन.एस. दर्ज किया जाकर सहायक उपनिरीक्षक आशीष सिहं, प्रधान आरक्षक महेन्द्र राठौर, शेख रसीद, राजेश कंवर द्वारा आरोपी सुरेन्द्र कुमार शिवहरे पिता गया प्रसाद शिवहरे उम्र 42 वर्ष निवासी खेडिया पेटोल पंप सामने अनूपपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश करने पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा जारी की गई एडवाइजरी - पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है कि किसी भी पुरूष द्वारा बार बार किसी महिला का पीछा किये जाने या संपर्श करने का प्रयत्न करने एवं किसी पुरूष द्वारा किसी महिला के इंटरनेट, ईमेल या किसी अन्य प्रकार की इलेक्ट्रानिक संसूचना का प्रयोग किये जाने को मानीटर करना (स्टाकिंग) नये कानून भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस) की धारा 78 के तहत कानूनी अपराध है। किसी महिला की लज्जा का अनादर करने के लिए कोई शब्द कमेन्ट आदि करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत अपराध है। किसी पुरूष द्वारा महिला को लगातार घूरना आदि (वोयेरिज्म) धारा 77 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध है। जो किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त कृत्य किये जाने पर तत्काल पुलिस को सूचना देकर ऐसे अपराधियों पर कार्यवाही कराई जाये। सही समय पर पुलिस को सूचना न दिये जाने अथवा बदमाशों की हरकतों की रिपोर्ट पुलिस में न किये जाने से अपराधियों का हौंसला बढ़ता है, जिससे वह आगे भी कोई अपराध कर सकते है। अतएव तत्काल ऐसे अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए पुलिस को सूचना अवश्य दें, जिससे महिला संबंधी अपराधियों के विरूद्ध तत्काल सख्त कार्यवाही की जा सकें।

कैसे करें रिपोर्ट- पीड़ित महिला को चाहिए कि वह समीपवर्ती पुलिस थाने में जाकर अपनी रिपोर्ट दर्ज कराये । थाना पहुंचने में समस्या होने पर अपने मोबाईल फोन से टोल फ्री डायल 100 एवं महिला हेल्पलाईन नम्बर 1090 पर अपनी शिकायत को तत्काल दर्ज करा सकतें हैं।

नेशनल लेवल मॉनिटर दीक्षित ने मो. बड़ोदिया क्षेत्र के ग्रामों का किया निरीक्षण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, नेशनल लेवल मॉनिटर मनोज दीक्षित ने जनपद पंचायत मो बड़ोदिया के ग्राम मटेवा, माल्याहेड़ी, आनंदीखेड़ी में भारत शासन द्वारा संचालित मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, पेंशन, वाटरशेड विकास, एनआरएलएम, स्वामित्व योजनाओं के कार्यों का निरीक्षण कर लाभार्थियों से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमृतराजसिंह सिसोदिया, सहायक यंत्री नंदा बैनल, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा किशोर सोलंकी, जनपद स्तरीय उपयंत्री, अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, ग्राम पटवारी, ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित थे।

पायस एजुकेशन ग्रुप की संस्था में वैदिक मैथ में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इनफ्लुएंसर बुक

ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
(गागलहेडी) सहारनपुर, पायस एजुकेशन ग्रुप की संस्था में वैदिक मैथ में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इनफ्लुएंसर बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का श्रीगणेश मुख्य अतिथि संजय गर्ग, सी.ओ. सदर शशि प्रकाश शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक हर्ष देव स्वामी, अभिभावक समिति के अध्यक्ष धर्मपाल यादव व ऋषिपाल सैनी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। अनुष्का, नव्या, कनिका, दिव्यांशी, विधि, शगुन, आयशा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की व रोहन, श्रेयांश, शिवांश, हार्दिक, वंतिका, यशवी, आलिया ने स्वागत गान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य मंत्री संजय गर्ग ने कहा कि वैदिक गणित हमारा प्राचीन गणित है जिसे हम भूल गए थे। आज अबेकस के माध्यम से बच्चे वैदिक मैथ में 90 सेकंड में 150 अंक की कैलकुलेशन करके जो वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं वे बधाई के पात्र हैं। क्षेत्राधिकारी सदर श्री शशि प्रकाश शर्मा ने कहा कि आजकल के बच्चें देश का भविष्य है बच्चों में बहुमुखी प्रतिभा का विकास होते रहना चाहिए। जिला विद्यालय निरीक्षक हर्ष देव स्वामी ने कहा कि स्कूल केवल कॉपी, किताबों से नहीं बल्कि वह कार्यशाला है जहां की दीवारें भी पढ़ाती हैं। कार्यक्रम में सभी अतिथियों द्वारा वैदिक मैथ में इनफ्लुएंसर बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करने वाले मोंटफोर्ट विद्यालय के दो छात्र रूद्र व लक्ष्य को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। पी जी पायस इंटर कॉलेज में जनपद में चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा रिया यादव को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभिभावक समिति के अध्यक्ष धर्मपाल यादव व कॉलेज के प्रबंधक पंकज गर्ग ने विद्यालय के बारे में बताते हुए कहा कि शीघ्र ही हमारे विद्यालय के छात्र आंख पर पट्टी बांधकर दोनों हाथों से लिखकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगे। ब्रैन बूस्टटेबल के निदेशक अरिहंत जैन को विद्यालय में अबेकस कक्षाओं के संचालन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन फरीन व प्रीति यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मनोज यादव, पारुल सचदेवा, कुलदीप, उदित, सोम सिंह, सचिन धीमान, चित्रवीर, धर्मपाल, अभिषेक, रोहन, अनिल, बबली यादव, छवि, सारिका शर्मा, नंदनी आदि उपस्थित रहे।

पीएम ने वाराणसी से 6700 करोड़ से अधिक की 23 परियोजनाओं सहित 07 एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर वासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का किया धन्यवाद ज्ञापित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाराणसी में सिगरा स्टेडियम से सहारनपुर के 54.56 करोड़ की लागत से तैयार सरसावा एयरपोर्ट में सिविल इन्क्लेव समेत देश से जुड़ी स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन से रोजगार, आवास, विमानन की 6700 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया। सिविल एयरपोर्ट सरसावा के परिसर में पंडाल लगाया गया था। जिसमें एक बड़ी एलइडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले एयरपोर्ट के उद्घाटन का लाइव प्रसारण दिखाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी से सरसावा एयरपोर्ट में बने सिविल इन्क्लेव, मप्र में रीवा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन, छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण किया। इसके साथ वाराणसी एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन के अलावा आगरा, बिहार के दरभंगा और बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित बागडोगरा एयरपोर्ट के होने वाले विस्तारीकरण का शिलान्यास किया। सरसावा में सिविल एयरपोर्ट 65 एकड़ में बनाया गया है, जिसमें बोर्डिंग पास, कैंटीन, यात्री लाउंज और कार्यालय आदि होंगे। एक साथ दो वायुयान खड़े होने के लिए एप्रन (प्लेटफॉर्म) बनाया गया है। 50 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था होगी। रुड़की-पंचकूला राष्ट्रीय राजमार्ग-344 पर ग्राम अहमदपुर

सरसावा के पास से सिविल एयरपोर्ट तक डिवाइडर के साथ डेढ़ किलोमीटर लंबी फोरलेन सीधी सड़क का निर्माण कराया गया है। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने जनपदवासियों को एयरपोर्ट के उद्घाटन होने की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए जनप्रतिनिधियों के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरसावा एयरपोर्ट से शुरुआत में गाजियाबाद और मुरादाबाद के लिए उड़ान भरी जाएगी। इसके बाद आवश्यकतानुसार हवाई यात्रा की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट बनने से क्षेत्र का पर्यटन विकास होने के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार विकास के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन नई ऊंचाईयों को छू रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हवाई चप्पल वाले व्यक्ति के हवाई यात्रा में यात्रा करने का सपना आज समूचे भारत में पूरा हो रहा है। आज प्रदेश और देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सैनी ने कहा कि आज जनपदवासियों के लिए बहुत खुशी का अवसर है कि उनके द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग पूरी हो गई। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति कर रहा है। देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 से अधिक होने जा रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश 2027 तक 03 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनेगा। जिसमें मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 01 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाते हुए देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनेगा। आज उत्तर प्रदेश की बेहतर कानून व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से अन्य राज्यों के उद्यमीगण भी प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, महापौर डॉ0 अजय सिंह, विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, विधायक नकुड़ मुकेश चौधरी, जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान, जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ0 महेन्द्र सैनी, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, एयरपोर्ट निदेशक जयरामू एस0, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, जनप्रतिनिधि, उद्यमीगण डॉक्टर्स, शिक्षक, चीनी मिल प्रबंधक एवं विभिन्न पदाधिकारी सहित समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

पीएम कुसुम सी-2 योजना से

संबंधित गोष्ठी हुई आयोजित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जनपद के चिन्हित 33/11 केवी के 50 सब स्टेशन के निकटस्थ 05 किलोमीटर के परिधि में प्रस्तावित क्षमता के सौर पावर परियोजना की स्थापना कराने के दृष्टिगत कुसुम सी-2 योजना का वृहद प्रचार-प्रसार हेतु गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित सभी संबंधितों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराते हुए योजना के क्रियान्वयन हेतु सरकारी भूमि एवं कृषकों की निजी भूमि पर सोलर पावर प्लांट स्थापित कराये जाने हेतु नियमानुसार भूमि के चिन्हाकन हेतु संबंधित लेखपालों, ग्राम प्रधानों को निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन हेतु अपेक्षित सहयोग प्रदान किये जाने के निर्देश दिये। गोष्ठी में उपस्थित किसानों द्वारा लेखपाल के माध्यम से सोलर प्लांट स्थापना हेतु 05 प्रस्ताव उपलब्ध कराये गये। गोष्ठी में यूपीनेडा मुख्यालय लखनऊ स्तर से नामित नोडल अधिकारी द्वारा

पी0एम0 कुसुम सी-2 योजना के अंतर्गत विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराते हुए अवगत कराया गया। पीएम कुसुम सी-2 योजना का उद्देश्य कृषि फीडरों का सौर ऊर्जीकरण कर किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ ही प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर करने हेतु कृषि उपभोक्तओं एवं किसानो को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है। कृषकों को जानकारी उपलब्ध कराई गयी कि किसानों द्वारा अपनी निजी जमीन प्रोजेक्ट डेवलपर को लीज पर देने हेतु अथवा कृषको द्वारा स्वयं की भूमि पर सोलर प्लांट स्थापित कराये जाने पर भारत सरकार द्वारा 105 लाख एंव राज्य सरकार द्वारा 50 लाख कुल 155 लाख मात्र अनुदान अनुमन्य है। आयोजित गोष्ठी में यूपीनेडा मुख्यालय लखनऊ स्तर से नामित नोडल अधिकारी वरिष्ठ परियोजना अधिकारी-2 संजय, मुख्य अभियन्ता, पश्चिमांचल, विद्युत वितरण निगम लि0, सहारनपुर क्षेत्र एस0के0 अग्रवाल, परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा आर0बी0 वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा, संबंधित लेखपाल, ग्राम पंचायत अधिकारी, विद्युत विभाग के अभियन्ता, ग्राम प्रधान एवं कृषक उपस्थित रहे।

रतलाम पुलिस की नशे के खिलाफ कार्रवाई

10 लाख की ड्रग्स के साथ राजस्थान

निवासी समेत 4 तस्कर पकड़ाए

पवन धाकड़ । सिटी चीफ
रतलाम, रतलाम की जावरा पुलिस ने सोमवार को 4 ड्रग्स तस्करों को पकड़ा है। पकड़े गए तस्करों में एक राजस्थान के झालावाड़ का रहने वाला है। इनके पास से 75 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 20 ग्राम स्मैक जब्त की गई है, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है। जावरा पुलिस के मुताबिक, अकेला हनुमान मंदिर सामने जावरा से सरफराज उर्फ सर्र (35) पिता मोहम्मद सलीम निवासी महारपुरा जावरा (बरफखाना), पप्पू उर्फ बिल्ला (28) पिता फकीर मोहम्मद जोगी निवासी महेन्द्र नगर जावरा, सलमान (31) पिता असलम खान पठान निवासी पठानटोली जावरा, अरमान उर्फ शेरु (27) पिता ताजमोहम्मद खान पठान निवासी ईदगाह पठारी मोहल्ला डग जिला झालावाड़ राजस्थान को पकड़ा है। आरोपियों के पास से एक बिना नंबर की बाइक भी जब्त की गई है। मामले का खुलासा जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मी और जावरा शहर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह जादौन ने किया। सीएसपी ने बताया, चारों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है। पूछताछ कर रहे हैं कि अवैध मादक पदार्थ कहां से लेकर आए और किसको देने जा रहे थे।

उत्तर प्रदेश जनकल्याण मंच ने सरकारी गन्ना समिति देवबंद

के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. उपेंद्र का किया स्वागत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, सामाजिक संगठन उत्तर प्रदेश जनकल्याण मंच द्वारा सरकारी गन्ना समिति देवबंद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. उपेंद्र का स्वागत किया गया। इस दौरान डा. उपेंद्र ने कहा कि सोसायटी अध्यक्ष के नाते उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है वह किसानों के बीच रहकर उसे पूरें करेंगे। देवबंद नगर के मोहल्ला कायस्थवाड़ा में स्थित मंच कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में डा. उपेंद्र ने कहा कि भाजपा ने उन्हें किसानों की सेवा का मौका दिया है। वह इस पद के माध्यम से किसानों की प्रत्येक समस्या का हल कराने को तत्पर रहेंगे। मंच और सहकारी समिति के अध्यक्ष चौ. ओमपाल सिंह ने डा. उपेंद्र को गन्ना समिति देवबंद का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई दी। बैठक की अध्यक्षता अमित त्यागी ने की और संचालन हाजी हनीफ ने किया। इस दौरान रहतू त्यागी, अंग्रेस पवार, भंवर चौ., बॉबी भटनागर, शिव कुमार कश्यप, वाजिद अली, मलिक इस्लाम, महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा, जितेंद्र चौ., दिनेश कंसल आदि मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ बेडेकर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक

अलीराजपुर । कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्टर सभा कक्ष में किया गया । बैठक में कलेक्टर डॉ बेडेकर ने महिला बाल विकास की 22 , राजस्व विभाग की 19 , लोक स्वास्थ्य विभाग की 21 , गृह विभाग की 13 सहित जनजाति कार्य विभाग , सूचना प्रौद्योगिकी विभाग आदि की 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा की एवं संबंधित विभाग प्रमुखों को शिकायतों पर संतोषजनक कार्यवाही कर बंद करवाने के निर्देश दिए । लोक स्वास्थ्य शिविर के व्यापक प्रचार प्रसार कर ग्रामीणों को लाभ देवे बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ बेडेकर ने बताया कि 23 अक्टूबर 2024 को कट्ठीवाड़ा में जन कल्याण शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीपी , शुगर , सिकलसेल एनीमिया आदि की जांच एवं उपचार किया जाएगा । आयुष विभाग द्वारा दवाइयों का वितरण , कृषि ,मत्स्य , पशुपालन ,खाद्य विभाग द्वारा शासन द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार कर हितग्राहियों को शिविर के माध्यम से तत्काल लाभान्वित किया जाएगा । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रखर सिंह ने आजीविका मिशन , शिक्षा एवं जनजाति कार्य विभाग, मप्र इबी आदि को भी शासन द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार के निर्देश दिए । बैठक में महिला बाल विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए जनजाति उत्कर्ष ग्राम योजना के अंतर्गत 50 नवीन आंगनबाड़ियों भवनों की सूची एवं स्वास्थ्य विभाग को 6 मोबाईल मेडिकल यूनिट स्थापित करने के लिए सूची तैयार करने के निर्देश दिए । जिला कोषालय अधिकारी डीडी मिश्रा ने बैठक में बताया कि शासन द्वारा 28 अक्टूबर 2024 तक अक्टूबर माह का वेतन देने के लिए निर्देशित किया गया है सभी विभाग प्रमुख नियमानुसार वेतन देयक जनरेट करें। अग्रणी बैंक प्रबंधक हसवानी ने बताया कि 15 अक्टूबर से 15 जनवरी 2025 तक अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना के लिए आवेदन किए जाएंगे । कलेक्टर डॉ बेडेकर ने सभी जिला अधिकारियों को इन योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए ।

चीन ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दौरान मोदी-शी की मुलाकात के बारे पूछे सवालों को टाला

बीजिंग- चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस में इस सप्ताह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित मुलाकात के बारे में सोमवार को पूछे गए सवालों को टाल दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''अगर कोई बात सामने आती है तो हम आपको सूचित करेंगे। रूस के कजान में मंगलवार को शुरू हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी और शी भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को नयी दिल्ली में कहा कि भारत और चीन के वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त करने के बारे में एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिस्री द्वारा घोषित समझौते पर बीजिंग से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। जून

2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के संबंधों में खटास आ गई थी। इस झड़प को पिछले कई दशक में दोनों देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष माना जा रहा है। चीन ने पिछले शुक्रवार को घोषणा की थी कि शी रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह 'ग्लोबल साउथ के लिए एकजुटता हासिल करने के वास्ते एक नये युग की शुरुआत को लेकर अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे। आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों को 'ग्लोबल साउथ कहा जाता है। ब्रिक्स में मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नये सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है।

इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय ''न्यायपूर्ण वैश्विक विकास एवं सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि शी छोटे-समूह और बड़े-समूह की बैठकों, 'ब्रिक्स प्लस संवाद में भाग लेंगे और अपने महत्वपूर्ण विचार भी रखेंगे। उन्होंने कहा कि शी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य, ब्रिक्स व्यावहारिक सहयोग, ब्रिक्स तंत्र के विकास और आपसी हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अन्य नेताओं के साथ गहन विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। उन्होंने कहा, ''चीन अन्य पक्षों के साथ मिलकर ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के सतत विकास के लिए प्रयास करने को तैयार है, ताकि ग्लोबल साउथ के लिए एकजुटता के माध्यम से ताकत हासिल करने और संयुक्त रूप से विश्व शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नये युग की शुरुआत की जा सके।

दो ट्रेनें एक ही पटरी पर आमने-सामने आकर टकराई...

यात्रियों के बीच अफरा-तफरी

इण्टरनेशनल डेस्क। ब्रिटेन के वेल्स के ललनब्रीनमेयर में सोमवार को एक भीषण ट्रेन हादसा हुआ जब दो ट्रेनें एक ही पटरी पर आमने-सामने आकर टकरा गईं। इस दुर्घटना के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद ड्राइवर बेहोश हो गया और एक यात्री को दिल का दौरा पड़ गया, जबकि तीन अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड, और एयर एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

टक्कर के बाद मची अफरा-तफरी

यह हादसा भारतीय समयानुसार सोमवार शाम साढ़े 7 बजे के करीब हुआ। श्रेसबरी से एबरिस्टविथ जाने वाली ट्रेन और मैकिनलेथ से श्रेसबरी की ओर आ रही ट्रेन अचानक एक ही ट्रैक पर आमने-सामने आ गईं। जोरदार टक्कर के बाद ड्राइवर के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गया। एक यात्री को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत अब स्थिर है। साथ एक एयर एंबुलेंस भी मौके पर भेजी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालकर तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। टक्कर के कारण ट्रेन के कोच लॉक हो गए थे, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आई। हेलीकॉप्टर की मदद से घायलों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे के कारण एबरिस्टविथ और श्रेसबरी के बीच ट्रेनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई।

बिहार के पहले अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का उद्घाटन

उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा वैश्विक व्यापार में बढ़ेगी मौजूदगी

पटना. बिहार के पहले शुष्क बंदरगाह और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का सोमवार को राजधानी पटना के बाहरी इलाके बिहटा में उद्घाटन किया गया। इसकी स्थापना से बिहार में माल के भंडारण, सीमा शुल्क सेवाओं और मल्टी-मॉडल परिवहन के जरिए लॉजिस्टिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। शुष्क बंदरगाह एक अंतर्देशीय टर्मिनल होता है जो सड़क या रेल के जरिए बंदरगाह से जुड़ा होता है। यह बंदरगाह पर उतारे गए माल को देश के अंदरुनी गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए परिवहन के एक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

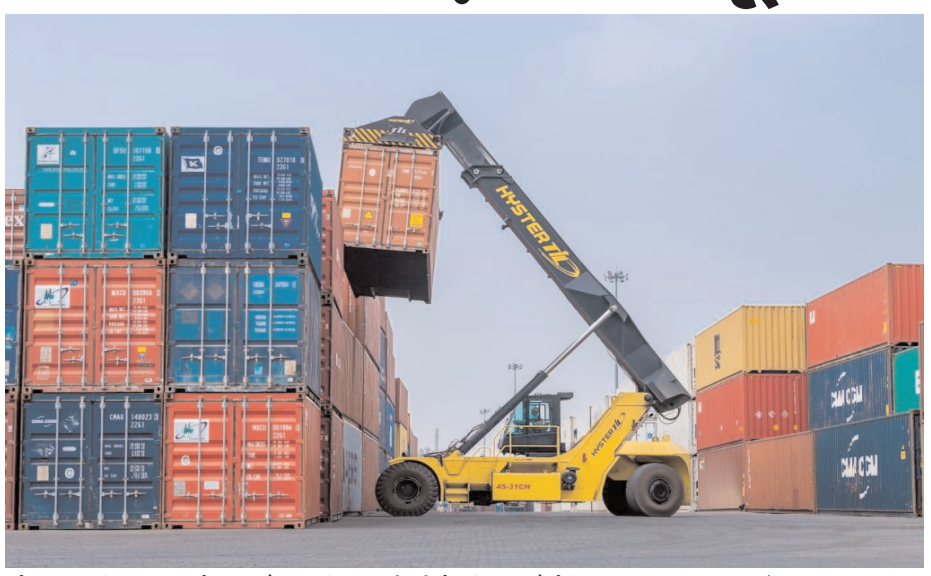

''यह सुविधा हमारे औद्योगिक क्षेत्र की कायापलट कर देगी

राज्य के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने इस कंटेनर डिपो का उद्घाटन किया। मिश्रा ने इसे बिहार के लिए बड़ा दिन बताते हुए कहा, ''यह सुविधा हमारे औद्योगिक क्षेत्र की कायापलट कर देगी। पहले बिहार के निर्यातकों और आयातकों को अपने गृह राज्य से हजारों किलोमीटर दूर स्थित बंदरगाहों या अन्य राज्यों में सीमा शुल्क मंजूरी लेनी पड़ती थी। उन्होंने कहा, ''अब बिहटा में आईसीडी के खुलने से राज्य के आयातक-निर्यातक वैश्विक बाजारों में खुद को स्थापित करने और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भाग लेने में सक्षम होंगे क्योंकि यहां सीमा शुल्क निकासी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

आईसीडी बिहटा को वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के रूप में अनुमोदित किया है। मिश्रा ने कहा कि यह डिपो वैश्विक व्यापार पटल पर बिहार की मौजूदगी बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि यह डिपो बिहार की दीर्घकालिक औद्योगिक आकांक्षाओं को पूरा करने और राज्य के लॉजिस्टिक क्षेत्र को स्थिरता एवं मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मिश्रा ने कहा, ''कृषि-प्रधान राज्य बिहार औद्योगीकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मक्का, लीची और चावल जैसी कृषि उपज के साथ डिब्बाबंद खाद्य उत्पाद, स्पॉन्ज आयरन एवं रद्दी कागज जैसी वस्तुएं भी राज्य के प्रमुख निर्यात और आयात का हिस्सा बन गई हैं। इस कंटेनर डिपो का विकास प्रिस्टीन मगध इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। बिहार उद्योग विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''यह डिपो कोलकाता बंदरगाह, हल्दिया, विशाखापत्तनम, मुंद्रा और अन्य प्रमुख बंदरगाहों से रेल मार्ग के जरिये अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। यहां पर आधुनिक भंडारण, सीमा शुल्क निकासी और परिवहन सेवाएं मिलने से राज्य के आयातकों और निर्यातकों को एक ही जगह पर सभी समाधान मिल पाएंगे।

महाराष्ट्र में भूकंप के झटकों से हिली धरती, लोगों में मची अफरा तफरी

नेशनल डेस्क. आज सुबह महाराष्ट्र में भूकंप के झटकों से लोग दहशत में आ गए। करीब 7 बजे अचानक धरती हिलने लगी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। भूकंप नांदेड़ जिले के हदगांव शहर के गांव सावरगांव में आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ह्यष्टस्) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र 19.38 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 77.46 डिग्री पूर्वी देशांतर पर धरती की सतह से 5 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि, अभी तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है, लेकिन लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से धरती पर हो रही हलचलों को देखते हुए लोगों को पहले से ही अलर्ट रहने की सलाह दी गई थी।

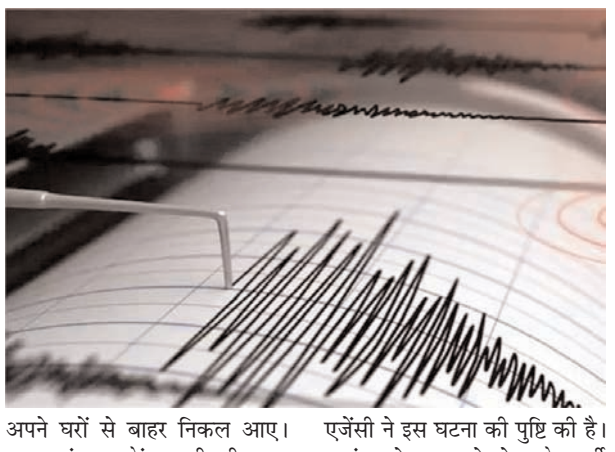

बीते दिन मध्य प्रदेश में भी महसूस किए गए थे झटके

रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रविवार देर रात अचानक धरती हिलने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.6 मापी गई, लेकिन इसके झटके इतने तेज थे कि लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। इस भूकंप का केंद्र धरती की सतह से 5 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि, इस भूकंप के कारण किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है, फिर भी सिवनी के आस-पास के क्षेत्रों में लोगों ने कई घंटे घरों से बाहर बिताए। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित रहने की सलाह दी है और स्थिति पर नजर बनाए रखी है।

इंडोनेशिया में भी लगे थे भूकंप के झटके

रिपोर्ट के अनुसार, बीते दिन सुबह करीब 5 बजे इंडोनेशिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इंडोनेशिया के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने इस घटना की पुष्टि की है। भूकंप सोमवार को देश के पूर्वी उत्तर मालुकु प्रांत में आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र दक्षिण हलमहेरा रीजेंसी से 7 किलोमीटर दूर समुद्र के अंदर 11 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि, इस तीव्रता वाले भूकंप से सुनामी आने की कोई चेतावनी नहीं मिली, लेकिन समुद्र में ऊंची लहरें उठीं। इंडोनेशिया के लिए भूकंप इसलिए खतरनाक है क्योंकि यह 120 से अधिक सक्रिय ज्वालामुखियों का देश है। यहां भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधियों के चलते हमेशा खतरा बना रहता है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

म्यांमा में नाव पलटने से 8 लोगों की मौत, 20 लापता

नेशनल डेस्क. म्यांमा में सैनिकों और लोकतंत्र समर्थक छापामार लड़ाकों के बीच लड़ाई से बचकर जा रहे लोगों की नाव अंडमान सागर में पलट जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और करीब 20 लोग लापता हैं। एक बचावकर्मी और स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी।

म्यांमा में हिंसा की स्थिति तब से बनी हुई है जब सेना ने फरवरी 2021 में आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को हटा दिया था। सैन्य शासन के विरोधियों ने सशस्त्र प्रतिरोध आंदोलन शुरू कर दिया और देश का बड़ा हिस्सा अब संघर्ष में उलझा हुआ है।

बचाव कार्य में मदद कर रहे एक ग्रामीण के अनुसार, रविवार को नाव पर लगभग 100 लोग सवार थे, जिनमें से लगभग 79 को बचा लिया गया है। ग्रामीण ने बताया कि सोमवार रात तक बरामद आठ शवों में 10 वर्षीय एक बच्चा और एक नवजात भी शामिल है। खचाखच भरी यह नौका रविवार रात 9.30 बजे क्यौक कार द्वीप से रवाना हुई और 15 मिनट बाद पलट गई।

एक ग्रामीण ने एसोसिएटिड प्रेस को यह जानकारी दी। उसने नाम जाहिर नहीं होने के अनुरोध के साथ यह बताया क्योंकि उसे सेना द्वारा गिरफ्तार किए जाने का डर था। दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन ग्रामीण के अनुसार सामान्यत: 30 से 40 यात्रियों की क्षमता वाली यह नाव लोगों और सामान से खचाखच भरी थी और समुद्र में तेज लहरें उठ रही थीं।

घर में गोलीबारी में 5 लोगों की मौत 15 वर्षीय युवक गिरफ्तार

वाशिंगटन: अमेरिका में सिएटल शहर के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक मकान के अंदर सोमवार सुबह हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक किशोर को हिरासत में लिया गया है। किंग काउंटी शेरिफ कार्यालय के प्रवक्ता माइक मेलिस ने सोमवार दोपहर पत्रकारों को बताया लोगों ने सुबह करीब पांच बजे पुलिस को फोन कर वाशिंगटन राज्य के फॉल सिटी में गोलीबारी की सूचना दी।

मेलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने तुरंत एक किशोर को हिरासत में ले लिया, जबकि गोलीबारी में घायल अन्य किशोर को सिएटल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि मकान के अंदर घुसने पर पुलिस को पांच लोगों के शव मिले। इनमें से दो वयस्क और तीन किशोर थे। अब तक किसी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। मेलिस ने कहा कि प्रतीत होता है कि गोलीबारी में एक ही परिवार के सदस्य शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना से समुदाय को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, ''मामले में किसी और को गिरफ्तार करने का कोई कारण नजर नहीं आता।

जिस काम में एक साल से नाकाम रही इजराइली सेना, वो काम करेगा हमास चीफ याह्या सिनवार का शव

इण्टरनेशनल डेस्क। इजराइल और हमें हमास के बीच चल रहे संघर्ष में हालात तेजी से बदल रहे हैं। हाल ही में आई खबरों के मुताबिक, इजराइल गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए एक नए समझौते पर काम कर रहा है। पिछले एक साल में इजराइली सेना अपने बंधकों को सुरक्षित वापस लाने में नाकाम रही है, लेकिन इस नई रणनीति के तहत इजराइल को उम्मीद है कि वह कुछ बंधकों को रिहा करा सकेगा। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट की बैठक के दौरान इस मुद्दे पर गहन चर्चा की। उनकी सरकार ने निर्णय लिया है कि हमास के प्रमुख याह्या सिनवार का शव इजराइल के पास है और यह शव बंधकों की रिहाई के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, इजराइल सिनवार के शव के बदले में कुछ बंधकों की रिहाई की मांग कर सकता है। इस समझौता वार्ता में सिनवार की डेड बॉडी एक प्रमुख %डील चिप% के रूप में काम कर सकती है। यरुशलम अब हमास नेताओं की हत्या के बाद बंधक समझौते पर सहमति और गाजा में युद्ध विराम के अवसर तलाशने में जुटा है। इस बीच, नेतन्याहू प्रशासन का कहना है कि बंधकों की रिहाई तक इजराइली सेना गाजा में हमास के ठिकानों पर हमले जारी रखेगी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में इजराइल के हवाई हमलों में मारे गए फिलिस्तीनी नागरिकों की संख्या 42,000 के पार पहुंच चुकी है। हाल ही में सिनवार की मौत के बाद इजराइल सेना ने जबिलिया और बेल लाहिया जैसे क्षेत्रों पर बमबारी की, जिसमें लगभग 90 लोगों के मरने की सूचना है।

इस नए घटनाक्रम ने गजा में चल रहे संघर्ष को और भी जटिल बना दिया है। इससे पहले, इजराइल अपने बंधकों को वापस लाने के उपायों को लेकर कई कोशिशें कर चुका था, लेकिन हर बार वह असफल रहा। अब जब सिनवार का शव वार्ता में एक महत्वपूर्ण तत्व बन सकता है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वास्तव में इस समझौते के जरिए बंधकों की रिहाई हो सकेगी या नहीं। इस संघर्ष के खत्म होने की कोई स्पष्ट राह दिखाई नहीं दे रही है, और इजराइल-ह??? के बीच तनाव और बढ़ता जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569